आर.एन.आई.नं. RAJHIN/2004/14675
जोधपुर, जयपुर एवं अजमेर से प्रकाशित राज्य स्तरीय दैनिक

हुक्मनामा समाचार

वर्ष 22 : अंक 300 : मूल्य 2 रु. : पृष्ठ संख्या 8
www.hukmnamasamachar.com
जोधपुर, बुधवार, 22 जुलाई, 2026
www.Lokvarta.net

छात्र आंदोलन की आग भड़की ...

कांग्रेस सांसदों के साथ राहुल ने पीएम आवास घेरा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास के बाहर मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया जब कांग्रेस के शीर्ष नेताओं और सांसदों ने अचानक प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और केसी वेणुगोपाल सहित कई वरिष्ठ नेताओं और सांसदों को हिरासत में ले लिया। मौके पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे और पुलिस ने पूरे इलाके में बैरिकेडिंग कर रखी थी। जब नेताओं ने पीएम आवास की ओर बढ़ने का प्रयास किया, तो पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य वरिष्ठ नेताओं को हिरासत में लेकर अलग-अलग तीन बसों में बैठाया और वहां से अज्ञात/संबंधित पुलिस स्टेशनों के लिए रवाना कर दिया। देश भर में शिक्षा व्यवस्था, पेपर लीक और नीट परीक्षा विवादों को लेकर विपक्ष हमलावर है। विपक्षी नेताओं का आरोप है कि सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है और जिम्मेदारी लेने से भाग रही है। इसी के विरोध में कांग्रेस नेतृत्व ने सीधे प्रधानमंत्री आवास का घेराव करने की योजना बनाई थी। वहीं, समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए केंद्र सरकार और पुलिस कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों और विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए लाठीचार्ज और पुलिस बल का सहारा ले रही है।

जंतर मंतर पर फिर से हजारो युवा पहुंचे

दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को भी हजारो की तादात में युवा जंतर मंतर पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारे बजी करी वही युवाओ का साफ़ कहना है की प्रधानमंत्री क्यों नहीं प्रधान का इस्तीफा ले रहे है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अभिजीत दीपके ने कहा कि हमारे प्रतिनिधिमंडल को बुलाकर सरकार ने समय बर्बाद किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके मोबाइल जब्त कर लिए। दोनों एक तरह से जेपी नड्डा के घर नजरबंद थे। इसलिए अब वे सरकार से बात करने नहीं जाएंगे। सरकार को ही जंतर-मंतर पर आना होगा। उधर, दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद सोनम वांगचुक को सफदरगंज से गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल शिफ्ट कर दिया गया है। सीजेपी ने संसद मार्च के दौरान बर्गर खाने वाले विजेता दाहिया को प्रवक्ता पद से हटा दिया है। दाहिया ने एक वीडियो जारी करके सफाई दी है कि आप मुझे ऐसे जिम्मेदार ठहरा रहे हैं जैसे कि प्रदर्शनकारी होना मेरा काम हो। आपने मुझे इस पद के लिए नहीं चुना है। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा, 'हम संसद मार्च मंगलवार को इसलिए नहीं निकाल रहे हैं, क्योंकि इस सरकार और पुलिस ने छात्रों का खून बहाया है। इन्हें छात्रों की कोई परवाह नहीं है, लेकिन हमें है।'

जयपुर में गहलोत समेत कई दिग्गज नेता हुए गिरफ्तार

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। वही नई दिल्ली के आलावा देश भर में भी जगह जगह कांग्रेस ने प्रदर्शन किये। राजधानी जयपुर में भी प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा अम्बेडकर सर्किल पर मशाल जुलूस निकालने की तयारी थी जिसको प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में निकालने की तयारी थी, जिसमे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी शामिल हुए मगर एन वक़्त पर पुलिस प्रशासन वह पहुंच गया और पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओ के बीच धक्का मुक्की हुई जिसके बाद गहलोत ,डोटासरा समेत सभी कांग्रेस नेताओ को पुलिस ने डिटैन किया और दूर दिराज लगाए। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा की ये लोग देश को बहुत बड़े गड्ढे में दाल रहे है , उन्होंने कहा की हमारे नेता राहुल गाँधी पहले से ही कह रहे है की ये लोग देश को कई साल पीछे कर देंगे और आप देखिये क्या हालत हो गए है , हमारे युवाओ के साथ ये क्या कर रहे है , सोमवार को हुई घटना ने देश में ही नहीं पुरे विश्व में भारत की स्थिति बतादि है , की भारत की युवा जनता के साथ वहा की सरकार कैसा व्यवहार करती है। वही डोटासरा ने कहा की बा भारत का युवा जाग चूका है , ये जो बीजेपी वालो ने किया है इसको कोई बर्दाश नहीं करेगा।

सफदरजंग अस्पताल से मेदांता अस्पताल शिफ्ट किए गए सोनम वांगचुक

नई दिल्ली। जलवायु कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल के लिए रवाना कर दिया गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय से निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की अनुमति मिलने के बाद एम्बुलेंस के माध्यम से उन्हें भारी सुरक्षा के बीच मेदांता ले जाया जा रहा है। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि नागरिक के मौलिक अधिकारों और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें उनकी पसंद के अस्पताल (मेदांता) में इलाज कराने की अनुमति दी जा रही है। केंद्र सरकार (सोलिसिटर जनरल तुषार मेहता) ने भी इस स्थानांतरण पर कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई। हाई कोर्ट ने मेदांता अस्पताल के निदेशक को निर्देश दिया है कि सोनम वांगचुक के इलाज और स्वास्थ्य की निरंतर निगरानी के लिए विशेषज्ञों की एक विशेष टीम गठित की जाए।

सीजेपी विरोध प्रदर्शन में घायल लोगों से मिलने अस्पताल पहुंच गए जेपी नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल का दौरा किया। वे सोमवार को सीजेपी के विरोध मार्च के बाद पुलिस की कार्रवाई में घायल हुए लोगों से मिलने गए थे। नड्डा अस्पताल पहुंचे और विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल होने के बाद इलाज के लिए भर्ती लोगों से बातचीत की। अपने दौरे के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने डॉक्टरों के साथ बैठक भी की ताकि घायलों की हालत और उन्हें दी जा रही मेडिकल देखभाल का जायजा ले सकें।

किसानों का दिल्ली कूच स्थगित, दो मांगों पर सहमति बनी

अंबाला/कुरुक्षेत्र/सोनीपत। अमेरिका-भारत फ्री ट्रेड डील के विरोध में पंजाब और हरियाणा के किसानों ने मंगलवार का प्रस्तावित दिल्ली कूच और किसान घाट महापंचायत फिलहाल स्थगित कर दी। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस की सख्ती तथा हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के साथ हुई बैठक के बाद किसान लौट गए, जिससे दोनों बॉर्डरों पर ट्रैफिक भी सामान्य हो गया। कुरुक्षेत्र पुलिस ने किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी समेत हिरासत में लिए गए नेताओं को रिहा कर दिया। भारतीय किसान यूनियन ने बताया कि रिहाई और केंद्र सरकार से वार्ता कराने पर सहमति बनने के बाद आंदोलन स्थगित करने का फैसला लिया गया।

मध्य प्रदेश विधानसभा में यूसीसी बिल पास

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश विधानसभा ने विपक्षी कांग्रेस पार्टी के विरोध के बीच 'यूनिफ़ॉर्म सिविल कोड' बिल को ध्वनि मत से पारित कर दिया। विपक्षी विधायक चाहते थे कि बिल को चर्चा के लिए एक सेलेक्ट कमिटी के पास भेजा जाए; हालाँकि, तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास मंत्री गौतम टेटवाल द्वारा ध्वनि मत से बिल पारित करने का प्रस्ताव रखे जाने के बाद इसे मंज़ूरी दे दी गई। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इसे सुनहरा दिन बताया और कांग्रेस पार्टी की गलत सोच की आलोचना की। यादव ने मीडिया से कहा यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल का पास होना मध्य प्रदेश के 8.5 करोड़ लोगों के लिए सचमुच एक सुनहरा दिन है। मध्य प्रदेश विधानसभा में इस कानून का लागू होना 'एक देश, एक संविधान, एक झंडा, एक नेता' के उस विज़न के प्रति हमारी सच्ची प्रतिबद्धता को दिखाता है, जिसे डॉ. भीमराव अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आगे बढ़ाया था।

सिक्किम की निर्माणाधीन टनल पर लैंडस्लाइड, 10 मजदूरों की मौत, 17 अब भी फंसे

गंगटोक। सिक्किम में सोमवार को एक टनल पर लैंडस्लाइड होने से उसका एंट्री गेट बंद हो गया, जिससे अंदर मौजूद 27 मजदूर फंस गए। इनमें से 10 की मौत हो गई। मृतकों में 3 की पहचान अभी नहीं हो पाई है, जबकि 17 मजदूर अब भी फंसे हैं। नामची जिले के मामरिंग स्थित समरदुंग सुरंग में निर्माण कार्य चल रहा था। एसपी सोनम डोल्मा ने बताया कि फंसे हुए मजदूरों की संख्या 27 से कम या ज्यादा भी हो सकती है। सुरंग में मीथेन गैस लीक होने की आशंका है। कई बचावकर्मियों को अंदर जाने के दौरान चक्कर आए। कुछ बेहोश भी हो गए, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन प्रभावित हुआ। जिला अधिकारी तमलिंग ने बताया कि दोपहर करीब 3:40 बजे प्रशासन को हादसे की खबर मिली।

एमपी-राजस्थान में मानसून फिर सक्रिय

हिमाचल में अब तक 66 लोगों की मौत, गुवाहाटी में लैंडस्लाइड

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश से हालात गंभीर बने हुए हैं। पिछले दो दिनों में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। पुंछ और राजौरी के बाढ़ प्रभावित इलाकों में सात लोग अब भी लापता हैं। लगातार बारिश के कारण राहत और बचाव अभियान प्रभावित हुआ।

हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश से मंगलवार को जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। राज्य में अब तक 66 लोगों की मौत हो चुकी है। 145 सड़कें बंद हैं। मौसम विज्ञान विभाग ने कांगड़ा, चंबा और सिरमौर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

सोमवार को भारी बारिश के बाद असम के गुवाहाटी में लैंडस्लाइड हुई। इसके बाद नेशनल हाईवे-715 का एक हिस्सा पानी में डूब गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य के 12 जिलों में 1.70 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं।

एमपी के लगभग 90% हिस्से में अगले 4 दिन यानी 23 जुलाई तक हल्की बारिश का दौर बना रहेगा। राजस्थान में दो हफ्ते बाद मानसून एक बार फिर एक्टिव होने से जयपुर समेत 33 जिलों में बारिश का अलर्ट है।

पेनल्टी कॉर्नर

पटेला री पोल

छात्र आंदोलन फैल गया अब, संकट में है सरकार
रफ्तार इसकी और बढ़ेगी, इसको इस्तीफे की दरकार
सब फार्मूले फेल हुए, ई डी सीबीआई का नहीं काम
चढ़ावा चोरी का टीका पहले ही, नाराज तभी से राम

..मुखिया जी

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित

अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग की सुरक्षा और सम्मान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता-भजनलाल शर्मा

एससी-एसटी के विरूद्ध अपराध करने वालों पर हो सख्त कार्रवाई

- 2 वर्षों में एससी-एसटी पर अत्याचार के मामलों में आई 28 प्रतिशत की कमी
- 60 दिन के भीतर हो रहा 68 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग को सुरक्षित एवं सम्मानपूर्वक जीवन जीने का वातावरण उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। राज्य सरकार द्वारा गत ढाई वर्षों में उठाए गए कदमों के कारण अनुसूचित जाति और जनजातियों के विरुद्ध अत्याचार के प्रकरणों में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2023 की तुलना में 2025 में ऐसे प्रकरणों में लगभग 28 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित राज्य स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक में कहा कि एससी-एसटी वर्ग के विरुद्ध अपराध करने वालों पर कठोरता से कार्रवाई की जाए और समाज में समरसता का वातावरण बनाने में सहयोग करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए।

पीड़ितों को समय पर मुहैया करवाई जाए आर्थिक सहायता

उन्होंने निर्देश दिए कि दर्ज प्रकरणों की सतत निगरानी की जाए तथा एक वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। साथ ही, संवेदनशील मामलों की जांच पूरी गंभीरता और त्वरित गति से हो। एफआईआर दर्ज होने से लेकर न्यायालय में अंतिम निस्तारण तक पीड़ितों को अधिनियम के तहत देय आर्थिक सहायता भी समय पर उपलब्ध करवाई जाए।

प्रकरण निस्तारण का औसत समय 128 दिन से घटकर हुआ 53 दिन वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार के दर्ज प्रकरणों में 15.88 प्रतिशत तथा वर्ष 2025 के पहले 6 माह की तुलना में वर्ष 2026 में 15.49 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2023 में अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों में से 35.16 प्रतिशत का निस्तारण 60 दिन में किया जा रहा था, जो 2025 में बढ़कर लगभग 47 प्रतिशत और जुलाई, 2026 तक 67.88 प्रतिशत हो गया है। वहीं, प्रकरणों के निस्तारण का औसत समय 128 दिन से घटकर 53 दिन रह गया है। एफआर लगे प्रकरणों में अब 10 प्रतिशत के स्थान पर 20 प्रतिशत का रैंडम सत्यापन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो एससी-एसटी वर्ग पर अत्याचार के मामलों में कमी आई है, वहीं दूसरी ओर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों के 60 दिवस की निर्धारित अवधि में निस्तारण में भी पहले की तुलना में काफी तेजी आई है। लगभग 68 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण 60 दिन के भीतर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के 45 पुलिस जिलों में एससी-एसटी सेल स्थापित किए जा चुके हैं एवं शेष 6 पुलिस जिलों में भी एससी-एसटी सेल शीघ्र स्थापित होंगे।

CMYK

शिक्षकों की कमी से परेशान बच्चों का स्कूल के बाहर प्रदर्शन

सामुहिक टीसी देने की मांग अड़े छात्र

सोजत (हुक्मनामा समाचार)। सोजत के झुपेलाव ग्राम पंचायत अंतर्गत पांचवा कल्ला में स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों की कमी से परेशान बच्चों व परिजनों ने शैक्षणिक कार्य का बहिष्कार करते हुए स्कूल के गेट पर बैठ गए और नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन दिया।

सूचना के बाद भी बहुत देर तक शिक्षा विभाग से कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे तो बच्चों ने प्रार्थना पत्र लिखकर सामूहिक टीसी देने की मांग करते हुए नारेबाजी करनी शुरू कर दी। ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल में फर्स्ट ग्रेड व सेकंड ग्रेड शिक्षक नहीं होने से नाम मात्र की पढ़ाई हो रही है। काफी समय से मात्र पांच शिक्षक लगे हुए हैं। इनमें भी एक शारीरिक शिक्षक व एक लिपिक है।

शिक्षकों की कमी से परेशान ग्रामीणों ने कुछ दिन पहले उपखंड अधिकारी व शिक्षा विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंप कर स्कूल में शिक्षक लगाने की मांग की थी। लेकिन आश्वासन के बाद भी शिक्षक नहीं लगे तो परेशान ग्रामीणों व बच्चों ने आज शैक्षणिक कार्यों का बहिष्कार कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की सूचना पर झुपेला पीईओ भी मौके पर पहुंचे लेकिन कुछ देर बाद बिना समझाइश किए ही वापस चले गए। काफी देर प्रदर्शन के बाद भी कोई विभागीय अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे तो नाराज छात्रों ने प्रार्थना पत्र लिखकर सामूहिक टीसी देने की मांग करने लगे। छात्रों द्वारा सामूहिक टीसी मांगने की सूचना पर प्रारंभिक जिला शिक्षा अधिकारी मौके पर आए और सोजत सीबीओ दलपत सिंह को भी मौके पर बुलाया। इस दौरान ग्रामीणों व बच्चों ने शिक्षक लगाने की मांग करते हुए फिर से नारेबाजी की आखिर में इन अधिकारियों ने ग्रामीणों से समझाइश कर तीन शिक्षक डेपुटेशन पर लगाए और एक शिक्षक एक सप्ताह के अंदर लगाने का भरोसा दिलाया। तब ग्रामीण और बच्चे माने?

भाजपा देचू मंडल की नई कार्यकारिणी घोषित, 58 पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

देचू (हुक्मनामा समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं भाजपा जोधपुर देहात उत्तर की जिला अध्यक्ष ज्योति जानी के निर्देशानुसार भाजपा देचू मंडल की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई हैं। मंडल अध्यक्ष दानसिंह बुड़किया ने नवगठित कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूर्ण समर्पण, निष्ठा एवं सक्रियता से कार्य करने का आह्वान किया। मंडल अध्यक्ष दानसिंह बुड़किया ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा, संगठन की रीति-नीति एवं सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित के मूल्यों को आत्मसात करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। घोषित कार्यकारिणी में प्रभुसिंह चोरड़िया, छोटूसिंह चांदसर, शिवा देवी भील, नरपतसिंह करनोत, भवानीसिंह राठौड़, रमेश कुमार, जेठाराम कुमावत एवं अंबाराम मेघवाल को मंडल उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं प्रेमसिंह, दुर्गेश सुथार एवं परबतसिंह को मंडल महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार भगवानसिंह भाटी, महेंद्रसिंह गुमानपुरा, शेषाराम चौधरी, कानसिंह राजपुरोहित, शौभा जैन, मोहनी कुमावत, कंवराजसिंह खियासरिया एवं दीपाराम गर्ग को मंडल मंत्री नियुक्त किया गया है। इसके अलावा महिपालसिंह को कोषाध्यक्ष, दलपतसिंह को प्रकोष्ठ संयोजक, चैनसिंह, हनवंतसिंह, देरावरसिंह एवं रतनसिंह को मंडल प्रवक्ता तथा खेतसिंह राठौड़ को आईटी संयोजक का दायित्व सौंपा गया है।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की पर्यवेक्षक (महिला) सीधी भर्ती परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा

एडीएम ने अधिकारियों को दिए सफल एवं निष्पक्ष परीक्षा आयोजन के निर्देश

बाड़मेर (हुक्मनामा समाचार)। अतिरिक्त जिला कलक्टर रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कलक्टर कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर की ओर से 24 जुलाई को आयोजित होने वाली पर्यवेक्षक (महिला) सीधी भर्ती परीक्षा-2026 के सफल एवं निष्पक्ष आयोजन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई ।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर ने परीक्षा से जुड़े सभी अधिकारियों को बोर्ड के दिशा-निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की गोपनीयता, पारदर्शिता एवं सुचारु संचालन सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। बैठक में बताया गया कि परीक्षा 24 जुलाई (शुक्रवार) को एक ही पारी में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगी। जिले में परीक्षा के लिए 9 राजकीय परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिन पर 2,429 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

बैठक में परीक्षा के सफल संचालन के लिए विभिन्न अधिकारियों की जिम्मेदारियां निर्धारित की गईं। परीक्षा के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर को समन्वयक नियुक्त किया गया है, जबकि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को पुलिस नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्यवेक्षक, केंद्राधीक्षक, सहायक केंद्राधीक्षक एवं वीक्षकों की नियुक्ति के साथ-साथ सतर्कता दल एवं आंतरिक सतर्कता दल का गठन भी किया गया है। जिला कलक्टर कार्यालय में परीक्षा अवधि के दौरान नियंत्रण कक्ष स्थापित रहेगा, जो परीक्षा से संबंधित गतिविधियों की सतत निगरानी करेगा।

आंगनबाड़ी केन्द्रों की व्यवस्थाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी - जिला कलक्टर

- जिले भर में जिला कलक्टर सहित एसडीएम, बीडीओ एवं अधिकारियों ने किया सघन निरीक्षण, गंभीर अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई के निर्देश
- गडरारोड़ के पनेला नंदघर में मिली गंभीर खामियां, डीडी आईसीडीएस को कारण बताओ नोटिस तथा सीडीपीओ एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के विरुद्ध आरोप पत्र जारी करने के निर्देश

बाड़मेर (हुक्मनामा समाचार)। जिले में समेकित बाल विकास सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल के निर्देशन में जिले भर में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जिला कलक्टर सहित सभी उपखंड एवं विकास अधिकारियों एवं तहसीलदारों ने अपने-अपने क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए।

जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल ने गडरारोड़ ब्लॉक के नोपाट, जैसिन्धर स्टेशन एवं पनेला ग्राम पंचायतों में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गडरारोड़ ब्लॉक के पनेला स्थित नंदघर आंगनबाड़ी केन्द्र की व्यवस्थाएं अत्यंत असंतोषजनक पाई गईं। जिला कलक्टर ने पाया कि केन्द्र के शौचालय अनुपयोगी थे तथा बच्चों के वजन एवं लंबाई मापन के लिए आवश्यक उपकरण पूरी तरह क्षतिग्रस्त एवं अनुपयोगी अवस्था में थे। उन्होंने इन सभी सुविधाओं को तत्काल दुरुस्त कर आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने केन्द्र पर बच्चों की उपस्थिति की भी जांच की। निरीक्षण के समय लगभग 11 बच्चे उपस्थित मिले, जिनमें से 5 से 6 बच्चे प्राथमिक विद्यालय की कक्षा पांच में अध्ययनरत पाए गए। उन्होंने इसे वास्तविक उपस्थिति को कृत्रिम रूप से बढ़ाकर दर्शाने का गंभीर प्रयास बताते हुए स्पष्ट किया कि लाभार्थियों के संबंध में किसी भी प्रकार की गलत जानकारी अथवा फर्जी उपस्थिति स्वीकार नहीं की जाएगी।

ओसियां में ट्रैफिक व्यवस्था बे पटरी, आमजन परेशान

ओसियां(जोधपुर) (हुक्मनामा समाचार)। धार्मिक एवं पर्यटन नगरी ओसियां में बढ़ते वाहनों और अव्यवस्थित यातायात के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। कस्बे के मुख्य मार्ग, बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, माताजी मंदिर मार्ग और बस स्टेशन क्षेत्र में प्रतिदिन जाम लगने से आमजन परेशान हैं। अहिंसा सर्किल दादोसा का थडा के पास स्कूल लगने और छुट्टी के समय दर्जनों स्कूल की बसे एवं अन्य विधार्थियों के वाहन साथ मे दुपहिया वाहनों एवं बैंकों में ग्राहकों की भीड़, सड़क किनारे अतिक्रमण, अव्यवस्थित पार्किंग तथा आडे तिरछे खडे किए हुए निजी व सरकारी वाहनों के कारण स्थिति और बिगड़ जाती है। कई बार जाम के चलते कहासुनी की नौबत बन जाती है तथा एम्बुलेंस जैसे आपातकालीन वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित होती है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से यातायात पुलिस की नियमित तैनाती, अतिक्रमण हटाने और पार्किंग व्यवस्था सुधारने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना से बचते हुए यातायात सुचारु बनाया जा सके।

फलौदी नगर परिषद व बाप नगर पालिका में भी होंगे शहरी सेवा शिविर, आमजन की समस्याओं का मौके पर होगा समाधान

31 अगस्त तक ग्राम पंचायतवार लगेंगे ग्रामीण-शहरी फॉलो-अप सेवा शिविर, एक ही स्थान पर मिलेंगी 22 विभागों की सेवाएं

फलौदी (हुक्मनामा समाचार)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप आमजन को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उनके घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में 21 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक ग्रामीण एवं शहरी फॉलो-अप सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी तथा आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। शिविर प्रतिदिन प्रातः 9:30 बजे से सायं 6 बजे तक आयोजित होंगे।

जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने ग्राम पंचायतवार शिविरों की तिथियां निर्धारित करते हुए बताया कि नगर परिषद फलौदी एवं नगर पालिका बाप क्षेत्र में भी शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। 22 जुलाई को फलौदी तहसील की ग्राम पंचायत मोहरा एवं छितरबेरा, बाप तहसील की नुरे की भूर्ज एवं भड़ला, घंटियाली तहसील की लूणा, लोहावट तहसील की रामदेव नगर एवं हीरामोती नगर, आऊ तहसील की इन्दों का बास, बापिणी तहसील की मतोड़ तथा देचू तहसील की सगरा ग्राम पंचायत में शिविर लगाए जाएंगे।

इन शिविरों में राजस्व विभाग सहित कुल 22 विभागों की सहभागिता रहेगी। राजस्व, पंचायती राज, ग्रामीण विकास, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल, चिकित्सा, कृषि, पशुपालन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास, ऊर्जा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सहकारिता, परिवहन, वन सहित अन्य विभागों द्वारा विभिन्न योजनाओं का लाभ, प्रमाण-पत्र, पेंशन, नामांतरण, अतिक्रमण संबंधी प्रकरण, आयुष्मान कार्ड, टीकाकरण, फसल बीमा सहित अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

नगर पालिका में आयोजित फालोअप शिविर नागरिकों के लिए वरदान साबित हो रहें हैं

पीपाड़ शहर (हुक्मनामा समाचार)। राज्य सरकार द्वारा शहरी नागरिकों की कठिनाईयों का निस्तारण तथा प्रदत्त सेवाओं के शीघ्र निवारण एवं जन समस्याओं के समाधान हेतु जनहित में ''शहरी सेवा शिविर अभियान-2026'' के अन्तर्गत 21 जुलाई से 31 अगस्त तक फॉलोअप शिविर का आयोजन नगर पालिका परिसर में प्रातः 10 से सांय 5 बजे तक आयोजित किये जायेगें उक्त फॉलोअप शिविर दौरान शहरी सेवा शिविर-2026 के तहत दी गई छुटे व शिथिलताऐं यथावत रहेगी। वहीं पालिका परिसर में आयोजित फालोअप शिविर नागरिकों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। शिविर दोरान मंगलवार को 11 जन्म प्रमाण -पत्र, 05 विवाह प्रमाण-पत्र, 02 मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये गये। शिविर में अधिशासी अधिकारी मो सुहेल शेख के अलावा पालिका कनिष्ठ अभियन्ता विपिन परिहार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी शिवलाल सैन, वरिष्ठ लिपिक हरेन्द्र चौधरी, सहायक कर्मचारी राजेन्द्र कुमार, शंकरराम, केसरसिंह, एडवोकेट विजय चौहान, रामनिवास गहलोत एवं पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे, शिविर में शहरवासियों की भीड़ भी उमड़ रही है।

रावल बने विप्र फाउंडेशन के जिला महामंत्री

सिरोही (हुक्मनामा समाचार)। विप्र फाउंडेशन जिला अध्यक्ष प्रकाशराज रावल ने संगठन विस्तार के तहत चिराग रावल को जिला महामंत्री नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति समाज को संगठित करने, विप्र बंधुओं के हितों की रक्षा करने और संगठन की गतिविधियों को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के उद्देश्य से की गई है। इस नियुक्ति के बाद नव-नियुक्त जिला महामंत्री चिराग रावल ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे समाज के कल्याण, युवाओं को रोजगार व शिक्षा के अवसरों से जोड़ने और संगठन की नीतियों को हर गांव तक पहुंचाने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ काम करेंगे। रावल ने कहा कि समाज के युवाओं को संगठन से जोड़कर उन्हें आगे लाने का कार्य किया जाएगा एवम शिक्षा, चिकित्सा और जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के नवनियुक्त जिला महामंत्री चिराग रावल ने फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष प्रकाश राज रावल एवम शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। जिला महामंत्री बनने पर समाज के प्रबुद्ध जनों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी और उम्मीद जताई कि वे अपनी इस नई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे।

आमजन के जीवन की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य विभाग का बड़ा फैसला, शादी-विवाह में हलवाई व कैटर्स के लिए लाइसेंस अनिवार्य

फूड प्वाइजनिंग रोकने के लिए एसओपी लागू, आयोजनकर्ताओं को देनी होगी पूर्व सूचना; केवल पंजीकृत हलवाई व कैटर्स ही दे सकेंगे सेवाएं

फलोदी (हुक्मनामा समाचार)। आमजन के जीवन को सुरक्षित रखने और शादी-विवाह व सार्वजनिक आयोजनों में फूड प्वाइजनिंग जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग ने बड़ा एवं सख्त निर्णय लिया है। अब जिले में शादी-विवाह, धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में भोजन बनाने और परोसने वाले हलवाई व कैटर्स के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत पंजीकरण एवं लाइसेंस अनिवार्य कर दिया गया है। इस संबंध में आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण डॉ. टी. शुभ मंगला द्वारा पूरे प्रदेश में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रताप सिंह राठौड़ ने बताया कि जिले के सभी वैवाहिक स्थल, मैरिज गार्डन, बैंक्वेट हॉल एवं धर्मशालाओं में आयोजित होने वाले सामूहिक भोजन कार्यक्रमों की पूर्व सूचना आयोजनकर्ता को विभाग को देनी होगी। इसमें आयोजनकर्ता का नाम, मोबाइल नंबर, आयोजन स्थल, कार्यक्रम की तिथि, अनुमानित लाभार्थियों की संख्या तथा भोजन तैयार करने वाले हलवाई एवं कैटर्स के लाइसेंस का विवरण देना अनिवार्य होगा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी निर्मल कुमार महर्षि ने बताया कि मैरिज गार्डन, बैंक्वेट हॉल, धर्मशाला एवं होटल संचालकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके परिसर में केवल लाइसेंसधारी हलवाई व कैटर्स ही सेवाएं दें। विभागीय निरीक्षण के दौरान जानकारी छिपाने या जांच में बाधा डालने पर संबंधित संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

वार्ड 1 से 5 के शहरी सेवा शिविर का फॉलोअप शिविर आज

बालोतरा (हुक्मनामा समाचार)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार शहरी सेवा शिविर अभियान-2026 के तहत लंबित प्रकरणों के निस्तारण एवं नए आवेदनों के त्वरित समाधान के लिए बुधवार, 22 जुलाई को नगर परिषद परिसर में वार्ड संख्या 1 से 5 तक के नागरिकों के लिए फॉलोअप शहरी सेवा शिविर आयोजित किया जाएगा।नगर परिषद आयुक्त आशुतोष आचार्य ने बताया कि शिविर का उद्देश्य पूर्व में प्राप्त लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करने के साथ-साथ नागरिकों से प्राप्त होने वाले नए आवेदनों का भी मौके पर समाधान सुनिश्चित करना है। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहकर आमजन की समस्याओं का सुनवाई कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

अधिशाषी अभियन्ता, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड, खण्ड जोधपुर-I

ई-निविदा सूचना संख्या 03/2026-27 NIB No. : AGM2627A0111

जोधपुर खण्ड प्रथम के विभिन्न निर्माण कार्यो की ऑनलाईन निविदा (UBN No: AGM2627WSOB00676 to 684) ई-प्रोक्योरमेन्ट (www.eproc.rajasthan.gov.in) के माध्यम से बोर्ड एवं अन्य राजकीय विभागो में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण बोर्ड की वेबसाईट www.agriculture.rajasthan.gov.in/rsamb व www.sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखा जा सकता हैं।

राज.संवाद/सी/26/7290 अ.अ. I

कार्यालय नगर परिषद, फलौदी जिला-फलौदी (राज0)

क्रमांक/न0प0फ0/2026-27/2696 दिनांक :- 17.07.2026

-: ई-निविदा सूचना :-

नगर परिषद फलोदी द्वारा परिषद क्षेत्र में 1 कार्य हेतु सक्षम एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 23.07.2026 को मध्याह्न 12:00 बजे तक ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है, निविदा की विस्तृत जानकारी वेब साईट https://eproc.rajasthan.gov.in. व https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है ।

Tender ID :- 2026_DLB_575669_1
UBN No. :- DLB2627WSOB10510
राज.संवाद/सी/26/7307

आयुक्त
नगर परिषद,फलोदी

राज्य स्तरीय दैनिक
हुकमनामा
समाचार
NEWS
जयपुर • जोधपुर • अजमेर से प्रकाशित
हुकमनामा समाचार
यदि आप पत्रकारिता, मीडिया या समाचार क्षेत्र से जुड़ना चाहते हैं तो आज ही जुड़ें राजस्थान के तेजी से उभरते समाचार पत्र
"दैनिक हुकमनामा समाचार"
के साथ।
प्रिंट मीडिया
डिजिटल न्यूज
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म
राजस्थान का मजबूत नेटवर्क
विशेष रूप से आमंत्रित:
जालौर, सिरोही, फलोदी, पाली, बाड़मेर, जैसलमेर, बालोतरा
जिले के आसपास के क्षेत्रों से
संवाददाता एवं मीडिया प्रतिनिधि
हुकमनामा समाचार
PRESS
संम्पर्क करें:
0141-2220403
8824399949
9828011251
Website:
www.hukmnamasamachar.com
दैनिक
हुकमनामा
समाचार
हुकमनामा समाचार
हर खबर पर पैनी नजर

एक साथ 93 परीक्षार्थी सामूहिक नकल करते पकड़े गए

जेएनवीयू के कुलगुरु ने किया ग्रामीण क्षेत्रों के परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय द्वारा संचालित परीक्षाओं की शुचिता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक ओर जहां ग्रामीण क्षेत्रों के परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया, वहीं दूसरी ओर विश्वविद्यालय की फ्लाइंग टीम ने जैसलमेर जिले के एक परीक्षा केंद्र पर सामूहिक नकल का गंभीर प्रकरण पकडक़र परीक्षा व्यवस्था में अनियमितताओं के विरुद्ध कड़ा संदेश दिया है।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. पवन कुमार शर्मा ने जोधपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित कर्मा बाई महाविद्यालय खेड़ापा, राजकीय महाविद्यालय बावड़ी तथा बावड़ी महाविद्यालय बावड़ी के परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा कक्षों, प्रश्नपत्र वितरण, उत्तर-पुस्तिकाओं की सुरक्षा, अनुशासन, गोपनीयता तथा परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया तथा सम्बंधित केंद्र की परीक्षा टीम को विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कुलगुरु के साथ परीक्षा नियंत्रक प्रो. ज्ञान सिंह शेखावत एवं कुलगुरु के प्रोक्टर तथा परीक्षा समिति के सदस्य डॉ. ओम प्रकाश राजपुरोहित भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

93 परीक्षार्थियों के विरुद्ध सामूहिक नकल का केस दर्ज

इसी क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा गठित एक फ्लाइंग टीम, जिसमें प्रो. अमन सिंह, डॉ. सुरेश चौधरी, डॉ. ललित झाला एवं डॉ. गौरव जैन शामिल थे, ने श्री करणी महाविद्यालय, कजोई (जैसलमेर) परीक्षा केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने पाया कि परीक्षा कक्ष में वीक्षक द्वारा विद्यार्थियों को सामूहिक रूप से उत्तर लिखवाए जा रहे थे। विद्यार्थियों की उत्तर-पुस्तिकाओं की जांच में यह भी पाया गया कि सभी उत्तर-पुस्तिकाओं में उत्तरों की लेखनी एवं प्रस्तुतीकरण लगभग एक समान था, जिससे सामूहिक नकल की पुष्टि हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए फ्लाइंग टीम के प्रभारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी 93 परीक्षार्थियों के विरुद्ध सामूहिक नक़ल प्रकरण दर्ज किया गया। विश्वविद्यालय ने पूरे प्रकरण को अत्यंत गंभीर मानते हुए विस्तृत प्रतिवेदन प्राप्त कर नियमानुसार कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। कुलगुरु प्रो. पवन कुमार शर्मा ने स्पष्ट कहा कि विश्वविद्यालय परीक्षा की शुचिता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। विश्वविद्यालय जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य कर रहा है और नकल, अनियमितता अथवा परीक्षा की पवित्रता को प्रभावित करने वाले किसी भी कृत्य के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

जोजरी नदी में गिरा ट्रक, ड्राइवर सुरक्षित

पुलिस ने क्रेन की मदद से बाहर निकलवाया

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। सालावास गांव में जोजरी नदी पर बने पुल पर सोमवार देर रात एक ट्रक बेकाबू होकर नदी में गिर गया। सूचना पर सुबह क्रेन की मदद से ट्रक को बाहर निकाला गया। ट्रक के नीचे गिरने से आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

इस दौरान मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी के मुताबिक देर रात बोरानाडा क्षेत्र की फैक्ट्री में माल खाली करने के बाद ट्रक वापस लौट रहा था। इस दौरान ड्राइवर को नींद की झपकी आने से ट्रक का बैलेंस बिगड़ गया और पुल से टकराकर नदी में जा गिरा। इस दौरान पुल का आगे का हिस्सा भी टूट गया। हालांकि गनीमत मत रही की कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। सूचना पर पुलिस ने ट्रक को क्रेन की मदद से सुबह बाहर निकलवाया।

आसाराम की स्वास्थ्य जांच के लिए बनेगा मेडिकल बोर्ड

सुप्रीम कोर्ट ने एम्स को दिया निर्देश, एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपने को कहा

जोधपुर/नई दिल्ली (हुक्मनामा समाचार)। अपने ही आश्रम की नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में जोधपुर की सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम की अंतरिम जमानत याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एम्स के निदेशक को एक मेडिकल बोर्ड बनाने का निर्देश दिया है। यह बोर्ड आसाराम की सेहत की जांच करेगा, जिन्होंने मेडिकल आधार पर अंतरिम जमानत की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। यह मामला जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ के सामने सुनवाई के लिए आया। पीठ ने मेडिकल बोर्ड को एक हफ्ते के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा है।

सुनवाई के दौरान राजस्थान सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि फिलहाल आसाराम की स्वास्थ्य स्थिति ठीक है। करीब तीन महीने पहले आसाराम अयोध्या और काशी विश्वनाथ गए थे, जहां उन्होंने पैदल घूमकर दर्शन किए थे। पीठ ने साफ कर दिया कि वह तब तक नियमित जमानत नहीं दे रही है, जब तक कि अदालत इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाती कि मेडिकल आधार पर इसकी जरूरत है। पीठ ने कहा कि वह मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट की समीक्षा करेगी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि मेडिकल रिपोर्ट से यह साबित होता है कि आसाराम की हालत वास्तव में गंभीर है, तो अदालत नहीं चाहती कि उनके साथ कोई अनहोनी हो। अदालत ने इस मामले में एक सप्ताह में मेडिकल जांच रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही सुप्रीम कोर्ट अंतरिम जमानत की मांग पर फैसला करेगा।

तकनीकी कार्यों के कारण जोधपुर मंडल की पांच ट्रेनें प्रभावित

एक आंशिक रद्द, चार देरी से चलेंगी

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। मध्य रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे में चल रहे तकनीकी कार्यों का असर उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल पर संचालित पांच प्रमुख ट्रेनों पर पड़ेगा। इन कार्यों के चलते एक ट्रेन आंशिक रूप से रद्द रहेगी, जबकि चार सुपरफास्ट ट्रेनों का संचालन अलग-अलग तिथियों में निर्धारित समय से देरी से होगा। जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हितेश यादव ने बताया कि मध्य रेलवे के पुणे मंडल के वाठार यार्ड में दोहरीकरण कार्य के तहत नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण ट्रेन संख्या 20475 बीकानेर-मिराज सुपरफास्ट साप्ताहिक एक्सप्रेस 10 अगस्त को बीकानेर से पुणे तक ही संचालित होगी। वहीं वापसी में 20476 मिराज-बीकानेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 11 अगस्त को मिराज के बजाय पुणे से बीकानेर के लिए रवाना होगी। इससे ट्रेन के इस फेरे में पुणे-मिराज रेलखंड पर ट्रेन का संचालन आंशिक रूप से रद्द रहेगा। वहीं, उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में कानपुर सेंट्रल-टूंडला रेलखंड के बीच पनकी धाम स्टेशन पर नई इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, चौथी लाइन बिछाने और यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के चलते चार सुपरफास्ट ट्रेनों का संचालन भी प्रभावित रहेगा। इसके तहत 12324, बाड़मेर-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस 29 जुलाई को बाड़मेर से अपने निर्धारित समय से दो घंटे देरी से रवाना होगी।

सैमसंग सर्विस सेंटर से 468 स्पेयर पार्ट्स गायब होने का खुलासा

कर्मचारी पर 41.35 लाख की धोखाधड़ी का आरोप

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। सरदारपुरा स्थित सैमसंग के अधिकृत सर्विस सेंटर मैसर्स नेहल टेक्नो सर्विसेज में करीब 41.35 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि दस साल से कार्यरत स्टोर इंचार्ज ने 468 स्पेयर पार्ट्स की हेराफेरी कर कंपनी को लाखों रुपए का नुकसान पहुंचाया। सफाई और स्टॉक की जांच के दौरान कई खाली डिब्बों में स्पेयर पार्ट्स मिलने के बाद गड़बड़ी का खुलासा हुआ। इस संबंध में फर्म के प्रोपराइटर दीक्षांत सोलंकी की शिकायत पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ सरदारपुरा थाने में मामला दर्ज कराया गया है। रिपोर्ट में सोलंकी ने बताया कि आरोपी स्टोर इंचार्ज प्रदीप भार्गव पिछले 10 सालों से फर्म में कार्यरत था और अकेला ही डिजिटल रिकॉर्ड का प्रबंधन देखता था। कुछ दिन पहले सैमसंग कंपनी के अधिकारियों ने सर्विस सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया था। उस समय स्टोर इंचार्ज प्रदीप परिसर में मौजूद नहीं था। अधिकारियों के निर्देश पर जब स्टाफ ने खाली डिब्बों को हटाकर सफाई की, तो उनके होश उड़ गए। खाली डिब्बों के अंदर भारी कीमत के स्पेयर पार्ट्स छुपाकर रखे गए थे। जब इस बारे में पड़ताल की गई, तो पता चला कि करीब 10 महीने पहले इन पार्ट्स को वापस भेजने की रिक्वेस्ट डाली गई थी, लेकिन प्रक्रिया पूरी न होने पर कंपनी ने इसे खारिज कर दिया था। इसके बावजूद आरोपी ने इन पार्ट्स को वापस सिस्टम या फिजिकल स्टॉक में दर्ज नहीं किया और चोरी की नीयत से छुपा दिया। मामले पर संदेह गहराने पर फर्म संचालक दीक्षांत सोलंकी ने एक सॉफ्टवेयर एक्सपर्ट को बुलाकर डिजिटल रिकॉर्ड का ऑडिट कराया। ऑडिट में पता चला कि आरोपी प्रदीप भार्गव सिस्टम के ऑनलाइन और ऑफलाइन रिकॉर्ड में एडिट और डिलीट करके लगातार हेरफेर कर रहा था। वर्ष 2016 से अब तक सैमसंग के लगभग 468 असली स्पेयर पार्ट्स गायब हैं, जिनकी कुल कीमत 41 लाख 35 हजार 491 रुपए है। एफआईआर के मुताबिक, आरोपी ही एकमात्र अधिकृत व्यक्ति था, जिसके पास सिस्टम का एक्सेस था और ओटीपी भी उसी के मोबाइल पर आता था।

ADVT

जोधपुर में प्रसव के बाद एक और प्रसूता की इलाज के दौरान मौत

खून की कमी से दम तोड़ रही हैं प्रसूताएं

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। जोधपुर सहित कई जिलों में सिजेरियन और नॉर्मल डिलीवरी के बाद कई प्रसूताओं की तबीयत खराब होने और मौत होने के मामले सामने लगातार सामने आ रहे है। वहीं कुछ महिलाओं में डिलीवरी के बाद लगातार खून में कमी हो रही है और उसका असर उनकी किडनी पर पड़ रहा है। डॉक्टर्स के अनुसार इन सभी का कारण हेल्प सिंड्रोम बीमारी है। प्रसूताओं में इसकी चेकअप (एएनसी) नहीं थी। यानी गर्भावस्था के दौरान महीने, 15 दिन और फिर सात दिन में होने वाली स्क्रीनिंग प्रॉपर नहीं हो रही। ऐसे में गर्भावस्था के दो-तीन महीने बाद जब उनकी जांच हो रही है तो पता चल रहा है कि वे इस सिंड्रोम का शिकार हो रही हैं। दरअसल, जब महिला में प्रेग्नेंसी की शुरुआत होती है तो उसमें सबसे जरूरी होती है एंटीनेटल चेकअप (एएनसी) यानी गर्भावस्था के

दो प्रसूताओं की मौत

डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. बीएस जोधा ने बताया कि मथुरादास माथुर हॉस्पिटल में डिंपल को 30 जून एडमिट किया गया था। इसी दिन उसकी डिलीवरी हुई थी। इसके बाद तबीयत बिगडऩे लगी थी। इस पर उसका इलाज 17 जुलाई तक चला। गत19 जुलाई की रात 9 बजे अचानक तबीयत खराब होने पर दोबारा मथुरादास माथुर हॉस्पिटल लेकर आए थे। इसके बाद उसकी मौत हो गई। बीस जुलाई को उसका पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं प्रसूता समू की 24 जून को तिंवरी हॉस्पिटल में नॉर्मल डिलीवरी हुई थी। डिलीवरी के बाद खून नहीं रुका तो उसे उम्मेद हॉस्पिटल रेफर किया गया था। चार दिन उम्मेद हॉस्पिटल में इलाज चला। इसके बाद 27 जून को महात्मा गांधी हॉस्पिटल में रेफर किया गया था, जहां वह वेंटिलेटर पर थी और लगातार डायलिसिस चल रहा था। 14 जुलाई से दोबारा उसकी तबीयत बिगडऩे लगी और रविवार देर रात उसकी मौत हो गई।

हर प्रसूता की डिलीवरी की होगी लिस्टिंग

प्रदेश में हो रही प्रसूताओं की मौत को लेकर राज्य सरकार ने अब एक्शन प्लान तैयार किया है। अब हर महीने होने वाली डिलीवरी की हर जिले में लिस्टिंग तैयार की जाएगी। इसके तहत प्रसूताओं का हेल्थ कार्ड बनेगा। इसमें ये जानकारी रहेगी कि उनका इलाज कहां, कौनसे अस्पताल में होगा। इसके अलावा कितना खून चढ़ाना होगा। बता दें कि कोटा, बीकानेर, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा और जोधपुर में प्रसूताओं की मौत के बाद प्रशासन की ओर से बैठकें हो रही हैं। हाल ही हुई मीटिंग में सभी अस्पतालों को प्रसूताओं की लिस्टिंग करने के लिए कहा गया है। सभी मेडिकल कॉलेज से जुड़े हॉस्पिटल से मीटिंग कर रिव्यू किया जा रहा है। डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. बीएस जोधा ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत जुलाई में हर डिलीवरी होने वाली महिलाओं की लिस्टिंग की गई है। वहीं अब आगे भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी। इसमें प्रसूता की पूरी डिटेल होगी कि उसके साथ कौन रहेगा। कौनसे हॉस्पिटल में उनकी डिलीवरी होगी। किन-किन महिलाओं को ब्लड चढ़ाना पड़ेगा। किन महिलाओं को आयरन चढ़ाने की जरूरत होगी।

पहले स्क्रीनिंग नहीं हो सके तो तबीयत बिगडऩे पर सिजेरियन डिलीवरी ही इसका इलाज है। बताया जा रहा है कि जोधपुर में हाल ही रेफर होकर आई प्रसूता या जिनका इलाज चल रहा है, उनमें ये सिंड्रोम सबसे कॉमन पाया गया है। इसमें अचानक खून की कमी होना, ब्लड प्रेशर बढना, किडनी पर असर और फिर ब्लड प्लेटलेट्स कम हो जाता है।

डॉक्टर्स के अनुसार हाल ही में जो रेफर होकर केस आए हैं, उनमें सामने आया कि कई महिलाओं में एंटीनेटल दौरान होने वाली देखभाल। इसमें महिलाओं में ब्लड की कमी से लेकर, उनके ब्लड प्रेशर और बाकी जांच की जाती है। ताकि पता लगाया जा सके कि गर्भावस्था के दौरान कोई बड़ी समस्या तो नहीं होगी।

डॉक्टर्स के अनुसार- प्रेग्नेंसी के दौरान ब्लड प्रेशर की लगातार जांच होनी चाहिए, जो सबसे ज्यादा जरूरी है। ब्लड प्रेशर के भी कंडीशनल और पैरामीटर अलग हैं।इस सिंड्रोम की वजह से ब्लड प्रेशर सबसे सीवियर कंडीशन पर पहुंच जाता है। इससे किडनी, लीवर, ब्रेन सहित दूसरों अंगों पर भी असर होता है। इसके बाद एक ही ऑप्शन रहता है कि प्रसूता की किसी भी हाल में डिलीवरी करवानी होती है।

डॉक्टर्स के अनुसार इस सिंड्रोम के चलते शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं टूटने लगती हैं और खून की कमी होने लगती है। इसकी वजह से ब्लड प्लेट्लेट्स और प्लाज्मा में भी कमी आने लगती है। इस बीमारी की कंडीशन में जब भी डिलीवरी होती है तो ब्लीडिंग ज्यादा होने लगती है। खून का थक्का जमने में परेशानी होने लगती है। ऐसे में खून का फ्लो नहीं बनने पर किडनी इफेक्ट होती है। डॉक्टर्स के अनुसार इस स्थिति में कई बार लगातार ब्लीडिंग होने लगती है। कई बार लगातार प्रयास के बाद भी उसे रोक नहीं पाते हैं। ऐसे में बच्चेदानी तक निकालनी पड़ जाती है।

स्वामी एवं प्रकाशक प्रदीप लोढ़ा के लिए 902, तीसरी ई-रोड, सरदारपुरा, जोधपुर से प्रकाशित तथा मुद्रक मनीष कुमार, माणक ऑफसेट प्रिन्टर्स, एमजीएच रोड, जोधपुर द्वारा मुद्रित। सम्पादक प्रदीप लोढा, फोन : 2540244, 2622321, फैक्स : 2541066, सिटी कार्यालय : मालियों की गली, उदयमंदिर थाने के पास, जोधपुर। -जयपुर कार्यालय : जी-1, एफ ब्लॉक, गणपति एनक्लेव, अजमेर रोड जयपुर। फोन नं.-01412220403-05, समाचार सम्पादक (मानद): सैयद मुनव्वर अली, मो. 9929454286

सम्पादकीय...

मिस हैंडलिंग भारी पड़ेगी

दिल्ली में चल रहे छात्रों के आंदोलन को सरकार ने जितनी दबाने की कोशिश की है उतना ही यह भड़क गया है माना जा रहा है कि सरकार की इस मामले में मिस हैंडलिंग हुई है इसी के चलते विपक्षी दलों को सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने का मौका मिल गया है। मोदी सरकार ने पिछले 12 साल में एक काम बड़ी सफाई से किया कि किसी भी बड़े मुद्दे को दबाने के लिए दूसरा मुद्दा खड़ा कर दिया इस बार राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को दबाने के लिए सरकार ने छात्रों के आंदोलन को बढ़ने दिया यह आंदोलन इतना बढ़ जाएगा सरकार के प्रबंधकों ने सोचा भी नहीं था। दरअसल सोनम वांगचुक के अनशन के बाद यह आंदोलन एक नया रूप ले गया था अंतरराष्ट्रीय कवरेज के साथ युवाओं का लगातार जुड़ाव इसको ताकत देता रहा इसलिए सरकार ने इसे छेड़ने की कोशिश नहीं की हाई कोर्ट के ऑर्डर के बाद सोनम वांगचुंग को उठाकर अस्पताल में भर्ती करके सरकार ने सोचा कि यह आंदोलन अब तोड़ा जा सकता है इसीलिए जंतर मंतर से संसद मार्च को दबाने की कोशिश की गई इसके बाद यह आंदोलन अब बेकाबू दिख रहा है इस मामले को लेकर सोमवार के बाद मंगलवार को भी संसद में हंगामा रहा और विपक्ष की दलों को एक बड़ा मुद्दा मिल गया ऐसा मुद्दा जिस पर सरकार इतनी जल्दी बेबस हो गई है, कारण साफ है कि यह आंदोलन गांव-गांव में फैल जाएगा। कभी छात्र और युवा भाजपा की ताकत होते थे सत्ता के शिखर पर पहुंचने में इस वर्ग का तथा हिंदू समाज का बड़ा योगदान रहा है लेकिन चढ़ावा चोरी और छात्र आंदोलन के बाद दोनों ही वर्ग सरकार से बहुत दूर हो गए हैं इसका खामियाजा भाजपा को उठाना होगा। *वैभव लोढ़ा...*

इतिहास में आज

2009: दुनिया ने 21वीं सदी का सबसे लंबा सूर्यग्रहण देखा।
2012: प्रणब मुखर्जी भारत के 13वें राष्ट्रपति बने।
2019: चंद्रयान-2 ने श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से उड़ान भरी।
1981: भारत के पहले भूस्थिर उपग्रह ऐपल ने कार्य करना शुरू किया।

-धर्म चंद मेहता

क्रॉस फायर

□ चढ़ावा चोरी, पेपर लीक को लेकर संसद में हंगामा।
◆ वहां सरकार रोक नहीं सकती।
□ कॉकरोच जनता पार्टी ने जंतर मंतर से संसद तक निकाला मार्च।
◆ यह तो शुरुआत है।
□ प्रधानमंत्री बोले देश रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है जहां तथ्य तर्क है वहां तूफान की जगह नहीं।
◆ तूफान उठ गया तो तथ्य और तर्क सब धरे रह जाएंगे।
□ मल्लिकार्जुन खड़गे बोले जंतर मंतर पर लाठीचार्ज से बच्चों की आवाज दबा रही सरकार।
◆ सब की आवाज दबाने का एक ही तरीका।
□ राहुल गांधी बोले बच्चों ने शिक्षा के जायद सवाल उठाए तो जवाब में मिली लाठी और हिरासत।
◆ इस सरकार को सवाल सुनने की आदत नहीं।
□ राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को दोबारा एसआईटी बनाने के दिए निर्देश।
◆ असली आरोपी तो तब भी नहीं पकड़े जाएंगे।
□ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बोले अधिकारी बहाने नहीं बनाएं समय पर काम करें।
◆ बहाने तो नेता ज्यादा बनाते हैं।
□ अब 31 अगस्त तक लगेंगे शहरी ग्रामीण सेवा शिविर।
◆ चुनाव प्रचार भी हो जाएगा।

.............अंजू लोढ़ा

आज का राशिफल

बुधवार 22 जुलाई, 2026

मेष राशि: समय से पहले और भाग्य से ज्यादा किसी को नहीं मिलता। अपने बारी का इंजतार करें। संतान के सहयोग से कार्य पूरे होंगे। नए लोगों से संपर्क बनेगा जो भविष्य में लाभदायक रहेगा।

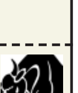

वृषभ राशि: जो लोग दूसरे के लिए मांगते हैं, उन्हें कभी अपने लिए नहीं मांगना पड़ता। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। किसी के बहकाने से सपने संबंध तोडऩे से बचें।

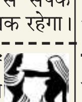

मिथुन राशि: जिन लोगों का सहयोग आप ने किया था आज वे ही आप से मुंह फेर रहे हैं। बीमारी में दवाई असर नहीं करेगी। बेहतर होगा अपना डॉक्टर बदलें या किसी योग्य व्यक्ति से सलाह लें। नए भवन में जाने के योग हैं।

कर्क राशि: अपने स्वभाव में परिवर्तन लाना बहुत जरूरी है। कार्यस्थल पर योजना लाभप्रद रहेगी। पड़ोसियों की मदद लेनी पड़ सकती है। क्रोध की अधिकता से परिजन ना खुश होंगे।

सिंह राशि: किसी के बहकावे में आप बहुत जल्द आ जाते हैं। समय रहते जरूरी कार्य पूरे करें। निजी जीवन में दुसरों को प्रवेश न दें। पिता के व्यवहार से मनमुटाव होगा। जीवनशैली में परिवर्तन के योग हैं।

कन्या राशि: सोचे कार्य समय पर होने से मन प्रसन्न रहेगा। अपने वाक् चातुर्य से सभी काम आसानी से करवा लेंगे। कार्यस्थल पर अपनी अलग पहचान स्थापित करेंगे।

तुला राशि: आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। जीवनशैली में आए परिवर्तन से खुश होंगे। आजीविका के नए स्रोत स्थापित होंगे। पारिवारिक सोहार्द बना रहेगा।

वृश्चिक राशि: अपने हिसाब से जिंदगी जीना पसंद करेंगे। जो लोग आप के कार्यों की सराहना करते थे, वे आपका विरोध करेंगे। भूमि-भवन संबंधी विवादों का अंत होगा।

धनु राशि: समय रहते अपने कार्य पूर्ण करें। पारिवारिक लोगों का सहयोग न मिलने से कार्य प्रभावित होंगे। घर में वास्तु अनुरूप परिवर्तन करें तो पारिवारिक तनाव खत्म होगा।

मकर राशि: व्यस्तता के कारण सेहत को न भूलें। अपने जीवनसाथी से नम्रता से बात करें और आपकी दोनों की वार्तालाप में स्नेह झलके न कि बनावटी बातें करें। वाणी में मधुर रहें।

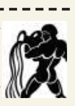

कुम्भ राशि: सेहत को नजरअंदाज न करें। आनावाश्यक किसी को परेशान करना अच्छी बात नहीं है। मेहमानों की खातिरदारी करना पड़ेगी। अपने संपर्कों से रुके कार्य पूरे होंगे।

मीन राशि: जल्दबाजी में किये फैसलों से भारी नुकसान हो सकता है। परिवार में आप की बातों को सुना जायेगा। धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ में सुधार होगा।

राजेन्द्र गुप्ता
ज्योतिषी और हस्तरेखाविद, मो. 9611312076

नोट- अगर आप अपना भविष्य जानना चाहते हैं तो दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल करके या इसी व्हाट्स एप नम्बर पर मैसेज भेजकर पहले शर्तें जान लेवें, इसी के बाद अपनी बर्थ डिटेल और हैंडप्रिंट्स भेजें।

नीट में सीट की जंग, अब काउंसलिंग चुनौती

डॉ. मोनिका शर्मा

जिस गति से एमबीबीएस की सीटें बढ़ रही हैं। इससे यह सवाल भी खड़ा हो रहा है कि क्या एमबीबीएस करना अब सही है। इसके बावजूद समाज और स्वास्थ्य प्रणाली में एमबीबीएस डॉक्टर की उपयोगिता आज भी शीर्ष पर बनी हुई है। बदलते दौर में एमबीबीएस की उपयोगिता इसलिए सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि चिकित्सा मानव जीवन की रक्षा का एकमात्र जरिया है।

री-नीट-2026 का रिजल्ट नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा जारी कर दिया गया है, जिसमें कुल 11.21 लाख अभ्यर्थियों ने सफलता हासिल की है। इस वर्ष देश की सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा में पंजाब के आर्यन गुप्ता और हरियाणा के पंशुल बंसल ने 720 में से 715 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से ऑल इंडिया रैंक वन हासिल की है। राजस्थान के उपलक्ष्य को तीसरी रैंक मिली है। हर कोई अब इस गणित में उलझा है कि उसको अच्छा सा मेडिकल कॉलेज मिल जाए। इसके लिए अभिभावकों के सामने अब प्रवेश के लिए काउंसलिंग कराना बड़ी चुनौती साबित होगा, क्योंकि हर पेरेंट्स चाहेगा कि उसके बच्चे को अच्छा मेडिकल कॉलेज मिले। इसके लिए उसे काउंसलिंग बहुत सावधानी से करनी होगी। पेरेंट्स को चाहिए कि वह पिछले दो सालों की रैंक देख लें कि किस रैंक पर कौनसा कॉलेज मिला है। इसके आधार पर वह प्री तैयारी कर लें। इससे उसका काम काफी आसान हो जाएगा। हालांकि इस बार नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने देश में कुल एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाकर 1,36,939 कर दी है। राजस्थान हमेशा से नीट के लिए एक हाई-मेरिट राज्य रहा है। डाटा के अनुसार, राजस्थान में कुल सीटों की संख्या 7,205 है। राज्य के सरकारी और सोसाइटी संचालित कॉलेजों को मिलाकर कुल 4,505 सीटें उपलब्ध हैं। इसी तरह से हाल ही में मिली 900 नई प्राइवेट सीटों की मंजूरी के बाद राजस्थान में प्राइवेट कॉलेजों की सीटें बढ़कर 3600 हो गई हैं। राजस्थान में सरकारी सीट पाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा रहेगी, क्योंकि राजस्थान से 1.33 लाख विद्यार्थियों ने नीट क्वालिफाई किया है। जिस गति से देश में एमबीबीएस की सीटें बढ़ रही हैं। इससे अब यह सवाल भी खड़ा हो रहा है कि क्या एमबीबीएस करना अब सही रहता है। इस सबके बावजूद समाज और स्वास्थ्य प्रणाली में एमबीबीएस डॉक्टर की उपयोगिता आज भी शीर्ष पर बनी हुई है। बदलते दौर में एमबीबीएस की उपयोगिता इसलिए सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि चिकित्सा केवल एक कॅरियर नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा का एकमात्र जरिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुसार, प्रति एक हजार की आबादी पर एक डॉक्टर होना अनिवार्य है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में यह अनुपात अभी भी ग्रामीण और दूर-दराज इलाकों में बेहद असंतुलित है। आज भी देश के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और ग्रामीण अस्पतालों को योग्य एलोपैथिक डॉक्टरों की सख्त जरूरत है। महामारी के दौर ने यह साबित कर दिया है कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा उसकी स्वास्थ्य प्रणाली पर टिकी होती है और उस प्रणाली की रीढ़ की हड्डी एमबीबीएस डॉक्टर ही होते हैं। इसके अलावा, आधुनिक जीवनशैली के कारण बढ़ रही बीमारियों (जैसे डायबिटीज, हार्ट अटैक और मानसिक तनाव) के सटीक इलाज और परामर्श के लिए समाज को हमेशा एक सर्टिफाइड डॉक्टर की जरूरत रहेगी। यह एक ऐसा पेशा है, जिसे कभी भी कोई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या मशीन पूरी तरह रिप्लेस नहीं कर सकती, क्योंकि मरीजों को इलाज के साथ-साथ मानवीय संवेदना और भरोसे की आवश्यकता होती है, जो केवल एक डॉक्टर ही दे सकता है। इसी उपयोगिता के कारण आज भी समाज में एमबीबीएस को लेकर लोगों की सोच बेहद सकारात्मक, लेकिन व्यावहारिक हो चुकी है। जहां एक तरफ इसे आज भी देश का सबसे गरिमापूर्ण, सुरक्षित और सम्मानजनक पेशा माना जाता है, वहीं दूसरी तरफ अब लोग इसके पीछे के मानसिक तनाव और लंबी अवधि को लेकर जागरूक हो रहे हैं। पेरेंट्स अब केवल डॉक्टर टैग के लिए बच्चों पर दबाव बनाने से बच रहे हैं। इसके अलावा, प्राइवेट कॉलेजों की करोड़ों रुपए की फीस और उसके बदले मिलने वाले शुरुआती वेतन (रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट) को लेकर लोग काफी व्यावहारिक सोच रखने लगे हैं। इतना जरूर है कि केवल एमबीबीएस (यूजी) डिग्री की वैल्यू वैसी नहीं रहेगी जैसी पहले थी, क्योंकि अब स्पेशलाइजेशन अनिवार्य होता जा रहा है। भविष्य में एक सफल डॉक्टर बनने के लिए एमबीबीएस के बाद एमडी (एमडी), एमएस (एमएस) या सुपर स्पेशलाइजेशन करना आवश्यक होगा, क्योंकि मरीज क्वालिटी यानी कुशल डॉक्टर पर भरोसा करते हैं। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने हाल ही में 25 नए मेडिकल कॉलेजों और 9,911 नई सीटों को मंजूरी दी है, जिसके बाद भारत में कुल एमबीबीएस सीटों की संख्या 1,36,939 हो गई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, देश के 441 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 63,296 सीटें हैं, जहां फीस कम रहती है, जबकि 382 प्राइवेट और डीम्ड विश्वविद्यालयों में 73,643 सीटें हैं, जहां कट-ऑफ कम, लेकिन फीस अधिक होती है। इस साल 21 जून को दोबारा आयोजित री-नीट परीक्षा के कारण इस साल का परिणाम अत्यधिक प्रतिस्पर्धी रहा है, जिसमें 700 से अधिक अंक पाने वाले केवल 19 छात्र हैं, लेकिन असली प्रतिस्पर्धा 600-700 अंकों के बीच 10,000 छात्रों के बीच है। वहीं सामान्य वर्ग के लिए क्वालीफाइंग कट-ऑफ 213 अंक और आरक्षित श्रेणियों के लिए 177 अंक रही है, जिसके चलते 600-650 अंक लाने वाले छात्रों को भी सरकारी सीट के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। बहुत से लोग ऐसे हैं, जो जल्दी पैसा कमाना चाहते हैं। यदि लक्ष्य केवल जल्दी पैसा कमाना है, तो एमबीबीएस सही विकल्प नहीं हो सकता है, क्योंकि इसमें साढ़े पांच साल की पढ़ाई और उसके बाद पीजी करने में समय लगता है। हालांकि यदि मानवता की सेवा करने का जज्बा, असीमित धैर्य और लगातार पढ़ने की इच्छा है, तो यह दुनिया का सबसे बेहतरीन और नोबल प्रोफेशन बना रहेगा, जहां डॉक्टर की उपयोगिता और सम्मान कभी भी कम नहीं होगा।

रुग्णावस्था में है भवाली का टी.बी.सेनेटोरियम

प्रयाग पाण्डे

पृथक उत्तराखंड राज्य को अस्तित्व में आए चौथाई सदी बीत गई है। इतने लंबे अंतराल में यह राज्य ऐसा कोई संस्थान नहीं बना सका, जिसकी राष्ट्रीय फलक पर पहचान स्थापित हो पाई हो। इसके उलट राज्य बनने के बाद एक दौर में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त राज्य रक्षालस संस्थान (वैक्सीन इंस्टीट्यूट) पटवाडांगर (नैनीताल) अब अस्तित्व विहीन हो गया है। यहाँ जो नामी संस्थान बचे हैं, वे भी बदहाली की स्थिति में पहुँच गए हैं। इन्हीं में एक है - टी. बी. सेनेटोरियम, भवाली। पिछले एक सौ सोलह वर्षों तक देश भर के हज़ारों - लाखों लोगों को तपेदिक जैसी जानलेवा बीमारी से मुक्ति दिलाने के लिए प्रसिद्ध भवाली का टी.बी. सेनेटोरियम आज खुद उपेक्षा और लापरवाही नामक लाइलाज बीमारी से ग्रस्त है। रुग्णावस्था में पहुँच गया है। भवाली के टी.बी. सेनेटोरियम का एक सौ सोलह वर्ष का उपलब्धियों भरा अतीत रहा है। एक सदी पहले जब तीसरी दुनिया के गरीब मुल्कों में टी.बी. की बीमारी का जबरदस्त प्रकोप था। तब टी.बी. को संक्रामक यानी एक से दूसरे को फैलने वाला खतरनाक रोग माना जाता था। टी. बी. के रोगियों को समाज से दूर रखा जाता था। दुनिया के गरीब मुल्कों के अधिकांश लोग टी.बी. की बीमारी से जूझ रहे थे। यह बीमारी तीसरी दुनिया के देशों के गरीब और निर्धन लोगों की मौत का सबसे बड़ा कारण बनी हुई थी। तपेदिक की बीमारी का आधुनिक वैज्ञानिक विधि से मुकाबला करने के लिए पहाड़ी क्षेत्र में एक बड़ा सेनेटोरियम बनाने की जरूरत सिद्दत से महसूस की जाने लगी थी। भवाली की आबोहवा एवं वातावरण तपेदिक से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए सर्वथा उपयुक्त था। यहाँ समुद्र सतह से छह हजार फिट ऊँचाई पर स्थित चीड़, बांज, देवदार, बुरांश आदि के जंगल से घिरी एक शांत और एकांत पहाड़ी थी। इसे 'भवाली स्टेट' नाम से जाना जाता था। प्रकृति के बीच स्थित इस स्वास्थ्यवर्धक स्थान को टी.बी. सेनेटोरियम के लिए आदर्श समझा गया। तब रामपुर रियासत के तत्कालीन नवाब हामिद अली खां भवाली स्टेट के मालिक थे। यह रामपुर रियासत के तत्कालीन नवाब की ग्रीष्मकालीन आरामगाह थी। अंग्रेजों के आग्रह पर रामपुर के तत्कालीन नवाब हामिद अली खां ने यहाँ स्थित खुद की विशाल कोठी एवं दूसरे मकानात सहित भवाली स्टेट की सवा दो सौ एकड़ जमीन सेनेटोरियम बनाने के लिए दान में दे दी। 1912 में यूनाइटेड प्रोविंसेज (अविभाजित उत्तर प्रदेश) के आगरा और अवध के जागरूक नागरिकों ने किंग एडवर्ड सप्तम की याद में भवाली टी. बी. सेनेटोरियम की स्थापना की। तब इसका नाम 'किंग एडवर्ड सप्तम सेनेटोरियम' रखा गया था। सेनेटोरियम की शुरुआत 48 बिस्तरों के अस्पताल से हुई। सेनेटोरियम का संचालन ग्यारह सदस्यीय एक ट्रस्ट द्वारा किया जाता था। उच्च पदस्थ न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारी और समाज के ख्यातिलब्ध लोग ट्रस्ट के सदस्य होते थे। प्रारंभिक काल में सेनेटोरियम मार्च से नवंबर माह तक वर्ष में नौ महीने खुलता था। शुरुआती दो दशक में ही यह उत्तर भारत का मुख्य टी.बी. सेनेटोरियम बन गया था। अक्टूबर,1929 में यहाँ आधुनिकतम एक्स - रे मशीन लग गई थी। सर्व सुविधा संपन्न आपरेशन थियेटर और पैथोलॉजी लैब पहले ही बन चुकी थी। तब यहाँ बिजली की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। जेनरेटरों के सहारे विद्युत व्यवस्था की जाती थी। 1937 तक सेनेटोरियम में बिस्तरों की संख्या 140 हो गई थी। उन दिनों जिन रोगियों को सेनेटोरियम में बिस्तर उपलब्ध नहीं हो पाते थे, वे भवाली, भूमियाधार आदि आसपास के कस्बे - गाँवों में किराए का घर लेकर यहाँ अपना इलाज कराते थे। यूरोपियन पुरुष रोगी सेनेटोरियम के विशाल परिसर में खुले में तंबू गाड़ कर रहा करते थे। 1940 के दशक में भवाली सेनेटोरियम अंतर्राष्ट्रीय ख्याति अर्जित कर चुका था। तब इसे एशिया का दूसरे नंबर का सेनेटोरियम माना जाता था। उस दौर में देश की अनेक नामचीन हस्तियां इलाज के लिए यहाँ भर्ती रहीं। जिनमें श्रीमती कमला नेहरू, सर कैलाश नाथ काटजू, महान साहित्यकार यशपाल, उन्नाव के क्रांतिकारी गया प्रसाद शुक्ला, शौकत अली बंधु और उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री संपूर्णानंद की पत्नी आदि शामिल थे। श्रीमती कमला नेहरू का 1926-27 में स्विजरलैंड में तपेदिक का इलाज हुआ था। पुन: लक्षण उभरने पर उन्हें 11अक्टूबर, 1934 को भवाली लाया गया था, वे कुछ वक्त भवाली के एक घर में रहीं। कमला नेहरू की तीमारदारी के लिए फिरोज गाँधी उनके साथ थे। कमला नेहरू को 10 मार्च, 1935 को भवाली सेनेटोरियम में भर्ती कराया गया। वे 15 मई,1935 तक यहाँ भर्ती रहीं। उन दिनों पंडित जवाहर लाल नेहरू इलाहाबाद की नैनी जेल में बंद थे। कमला नेहरू की अस्वस्थता के मद्देनजर ब्रिटिश सरकार ने पंडित नेहरू को नैनी जेल से जिला जेल, अल्मोड़ा स्थानांतरित कर दिया था। 27 अक्टूबर,1934 को पंडित नेहरू ने भवाली में कमला नेहरू से भेंट की। पंडित जवाहर लाल नेहरू अल्मोड़ा जिला जेल से पाँच बार कमला नेहरू से मिलने भवाली सेनेटोरियम आए थे। टी.बी. जैसी जानलेवा बीमारी से मुकाबला करने में भवाली सेनेटोरियम की उल्लेखनीय भूमिका के मद्देनजर देश के तत्कालीन शीर्षस्थ नेता, उच्च न्यायिक अधिकारी, अंग्रेज आला अफसरान एवं अन्य नामचीन लोग अक्सर भवाली सेनेटोरियम का दौरा किया करते थे। 16 जून,1929 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी ने यहाँ का भ्रमण किया था। 1935 में यूनाइटेड प्रोविंसेज के तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर सर हैरी हेग सपत्नीक यहाँ आए। सर हैरी हेग की पत्नी ने सेनिटोरियम में मनोरंजन कक्ष के निर्माण के लिए पाँच सौ रुपए भी दिए थे। इसी वर्ष सेठ जमनालाल बजाज ने भी सेनिटोरियम का दौरा किया था। उन्होंने श्रीमती कमला नेहरू के नाम से एक कॉटेज के निर्माण के लिए एक हजार रुपए दान दिए। कमला नेहरू ने खुद भी सेनेटोरियम में भर्ती रोगियों के मनोरंजन के लिए पियानो भेंट किया था। भवाली सेनेटोरियम में भर्ती महिला और पुरुष रोगियों के लिए अलग- अलग मनोरंजन कक्ष बने हुए थे।

क्यों फट जाते है बादल और क्यों गिरती है आसमान से बिजली

बाल मुकुन्द ओझा

मानसून अपने साथ जहां खुशियों की सौगात लेकर आते है वहीं मानसून के खतरे भी कम नहीं है जिससे हर साल सैंकड़ों लोग अकाल काल कलवित हो जाते है। अतिवृष्टि, बाढ़, आकाशीय बिजली और बादल फटने की घटना आम बात हो गई है। मॉनसून आने के साथ ही आए दिन बादल फटने और बिजली गिरने से लोगों की मौत की खबरें सामने आ रही हैं। बारिश के मौसम में अक्सर आसमानी बिजली गिरने के मामले सामने आते हैं। बादलों की तेज गड़गड़ाहट की आवाज सुनकर हर कोई डर जाता है। कभी-कभी यह बहुत खतरनाक हो जाती है और जमीन पर गिरने पर जानलेवा हो जाती है। यह जहां पर गिरती है, वहा तबाही मचा देती है। बारिश के दौरान अक्सर बादलों के बीच गड़गड़ाहट के साथ बिजली चमकती है। इसके गिरने से कभी इंसान घायल हो जाता है, तो कभी इसकी चपेट में आने से मौत हो जाती है। देशभर में मौसम के करवट बदलने के बीच पहाड़ी राज्यों में बादल फटने और फ्लैश फ्लड की घटनाएं देखने को मिली है। बादल फटना एक ऐसी आपदा है जिसमें कुछ ही मिनटों में सब कुछ तबाह हो जाता है। बादल फटने की घटनाएं हिमालय रेंज में लगातार बढ़ रही हैं। यह जून और जुलाई के महीनों में होती है जब दक्षिण-पश्चिमी मानसूनी हवाएँ अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से चलती हैं और मैदानी इलाकों को पार करते हुए भारत के उत्तरी पहाड़ी इलाकों की ओर बढ़ती हैं। भारतीय मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के मुताबिक बादल फटने की ज्यादातर घटनाएं 1 हजार से 2500 मीटर की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दर्ज की गई हैं। इनमें उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर सबसे ज्यादा संवेदनशील क्षेत्र है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भीषण वर्षा और बादल फटने से भारी तबाही हुई है, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई और 12 लापता हैं। जम्मू कश्मीर में इस महीने अब तक कम से कम 15 बार बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। विज्ञान की भाषा में, बादल फटना एक अत्यंत तीव्र वर्षा को संदर्भित करता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, जब किसी क्षेत्र में प्रति घंटे 100 मिलीमीटर या उससे अधिक वर्षा होती है, तो उसे बादल फटना माना जाता है। यह अक्सर एक छोटे से भौगोलिक क्षेत्र में सीमित समय के लिए होता है। बादल फटने की घटना मुख्य तौर पर कपासी वर्षा बादल के कारण होती है। हवा जब गर्म होती है, तो वह ऊपर की ओर उठती है और अपने साथ नमी भी ले जाती है। ऊपर पहुंचने पर यह ठंडी हो जाती है, जिससे नमी पानी की बूंदों में बदल जाती है। इन बूंदों के मिश्रण से वातावरण में कपासी वर्षा बादल बनते हैं, जो कि एक प्रकार का बड़ा और वर्टिकल बादल होता है। इसमें पानी की मात्रा बहुत अधिक होती है। बादल का निचला हिस्सा, जब गुरुत्वाकर्षण की वजह से पानी का भार सह पाता है, तो एक ही जगह पर अधिक पानी बरसता है, जो कि बारिश की बड़ी बूंदे होती हैं। इससे कम समय में बहुत अधिक बारिश हो जाती है, जिसे बादल फटना कहा जाता है। इस आलेख में हम बिजली गिरने और बादल फटने की जानकारी आम पाठकों तक पहुँचाना चाहते है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक बारिश के साथ तेज चमकती रोशनी और उसके बाद कड़कड़ाती आवाज सुनाई देती है। आसमान में चमकी यह बिजली तेजी से पृथ्वी पर गिर कर इंसानों की मौत का कारण भी बनती है। आकाशीय बिजली एक शक्तिशाली करंट है। इसके गिरने के समय लोगों को खुद को बचाने का क्षण भर का समय भी नहीं मिल पाता । मौसम विभाग के अनुसार, बिजली का गिरना या आघात एक बड़ा विद्युतीय प्रवाह है जो तूफान के दौरान हवा की गति के बढ़ने और कम होने के कारण उत्पन्न होता है। इस दौरान, पृथ्वी की बाहरी परत पर सकारात्मक चार्ज होता है क्योंकि विपरीत चार्ज आकर्षित करता है, आंधी के बादलों में मौजूद नकारात्मक चार्ज पृथ्वी की बाहरी परत पर मौजूद सकारात्मक चार्ज से जुड़ना चाहता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दुनिया में हर साल बिजली गिरने की करीब 2 लाख 40 हज़ार घटनाएं दर्ज होती हैं। इन घटनाओं में कितनी जानें जाती हैं, इसे लेकर कई तरह के अध्ययन अलग आंकड़े बताते हैं।

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा : राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस का संदेश

सुनील कुमार महला

राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमारे राष्ट्र की पहचान, गौरव, एकता और संप्रभुता का प्रतीक है। प्रत्येक भारतीय के लिए यह केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, लोकतंत्र, राष्ट्रीय अस्मिता और देशभक्ति का प्रतीक है। भारत के इतिहास में 22 जुलाई 1947 का विशेष महत्व है, क्योंकि इसी दिन संविधान सभा ने वर्तमान तिरंगे को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अंगीकृत किया था। पाठकों को बताता चलूं कि संविधान सभा में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने राष्ट्रीय ध्वज संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। स्वतंत्रता प्राप्ति से कुछ सप्ताह पूर्व लिए गए इस ऐतिहासिक निर्णय के बाद तिरंगा स्वतंत्र भारत की पहचान बन गया। इसी कारण प्रतिवर्ष 22 जुलाई को राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत का राष्ट्रीय ध्वज देश की स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता का प्रतिनिधित्व करता है। तिरंगे में तीन समान क्षैतिज पट्टियां हैं। सबसे ऊपर स्थित केसरिया रंग साहस, त्याग और बलिदान का प्रतीक है। बीच का सफेद रंग सत्य, शांति और पवित्रता का संदेश देता है, जबकि नीचे का हरा रंग समृद्धि, विकास और प्रकृति का प्रतीक माना जाता है। ध्वज के मध्य में गहरे नीले रंग का अशोक चक्र अंकित है, जो धर्म, न्याय, प्रगति और निरंतर गतिशीलता का प्रतीक है।अशोक चक्र में 24 तीलियां हैं, जिन्हें जीवन के 24 गुणों, सिद्धांतों और सतत प्रगति का प्रतीक माना जाता है। ये गुण हैं- प्रेम, साहस, धैर्य, शांति, दया, सद्भावना, सत्य, आत्मसंयम, निष्ठा, न्याय, करुणा, त्याग, विनम्रता, विवेक, नैतिकता, सेवा, कर्तव्यपरायणता, सहिष्णुता, आत्मविश्वास, परिश्रम, समर्पण, आशा, विश्वास तथा सतत प्रगति। अशोक चक्र हमें यह संदेश देता है कि जीवन और राष्ट्र दोनों को निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। चक्र का ठहर जाना जड़ता और पतन का संकेत है, जबकि उसकी गति विकास और उन्नति का प्रतीक है। यह हमें धर्म, न्याय और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। अशोक चक्र की चौबीस तीलियां भारत की नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का भी प्रतीक मानी जाती हैं। उल्लेखनीय है कि अशोक चक्र को सारनाथ स्थित सम्राट अशोक के सिंह स्तंभ से लिया गया है।राष्ट्रीय ध्वज की लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 3:2 निर्धारित किया गया है, जिसमें कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता। लंबे समय तक राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण के लिए केवल खादी कपड़ा अनिवार्य था, हालांकि बाद में नियमों में कुछ परिवर्तन किए गए। वर्ष 2002 में ध्वज संहिता में संशोधन के बाद भारतीय नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान बनाए रखते हुए वर्ष के किसी भी दिन तिरंगा फहराने का अधिकार प्राप्त हुआ। यहां यह उल्लेखनीय है कि वर्तमान राष्ट्रीय ध्वज का स्वरूप पिंगली वेंकैया द्वारा प्रस्तावित ध्वज के आधार पर विकसित किया गया था। प्रारंभिक ध्वज में चरखा अंकित था, जिसे बाद में अशोक चक्र से प्रतिस्थापित किया गया। संविधान सभा द्वारा 22 जुलाई 1947 को इसे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अंगीकृत किए जाने के बाद 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र भारत में पहली बार इसी तिरंगे को आधिकारिक रूप से फहराया गया। राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में तिरंगे के प्रति सम्मान और गौरव की भावना विकसित करना है। यह दिवस हमें स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों और बलिदानों का स्मरण कराता है, राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशभक्ति की भावना को मजबूत बनाता है तथा युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करता है। साथ ही यह राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय प्रतीकों और ध्वज संहिता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी अवसर है। वास्तव में तिरंगा केवल कपड़े का एक टुकड़ा नहीं है, बल्कि भारत की स्वतंत्रता, एकता, लोकतंत्र और करोड़ों देशवासियों की आकांक्षाओं का जीवंत प्रतीक है। यह हमें विविधता में एकता, राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने तथा देश की प्रगति और समृद्धि के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देता है। राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस केवल एक ऐतिहासिक घटना का स्मरण नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय गौरव, एकता, कर्तव्यबोध और देशभक्ति के मूल्यों को आत्मसात करने का अवसर भी है। यह दिवस हमें स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है।

गुलाब नगर में प्रथम बार होगा किसी जैन आचार्य का चातुर्मास

चातुर्मास प्रवेश की निमंत्रण पत्रिका का विमोचन

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। मारवाड़ जैन श्री संघ एवं चातुर्मास व्यवस्था समिति 2026 के तत्वावधान में आचार्य भगवंत विजय चिदानंद सुरीश्वर महाराज के आगामी 24 जुलाई को गुलाब नगर की धरा पर पावन चातुर्मास प्रवेश के शुभ अवसर की निमंत्रण पत्रिका का विमोचन किया गया। गुलाब नगर में प्रथम बार किसी जैन आचार्य का चातुर्मास होगा।

मारवाड़ श्री संघ अध्यक्ष गौतम सालेचा ने बताया कि आचार्य के चातुर्मास व्यवस्थाओं को लेकर एक विशेष मीटिंग आयोजित की जिसमें प्रवेश की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। मीडिया प्रभारी मुकेश नाहर ने बताया कि इस विशेष निमंत्रण पत्रिका विमोचन कार्यक्रम में उपाध्यक्ष महावीर कास्टिया, महामंत्री राजेंद्र सालेचा, चातुर्मास संयोजक उत्तम सालेचा, मांगीलाल बाफना, महावीर चोपड़ा, शेखर सालेचा, राकेश मेहता, टीकम बागरेचा, भैरुमल बाफना, डॉ. महिपाल जैन, राकेश भंडारी, शीतल भंसाली, हार्दिक सालेचा, संजय भंडारी, अशोक जैन, विक्रम पोखरना, सपना बाफना, मोनिका चोरडिया एवं पदाधिकारियों, वरिष्ठ समाजसेवियों एवं युवाओं की उपस्थिति रही। प्रभु भक्ति, नवकार महामंत्र के जाप और जयकारों की गूंज के बीच संघ के पदाधिकारियों ने निमंत्रण पत्रिका का अनावरण किया।

रेलवे कर्मचारियों को दी फायर फाइटिंग ट्रेनिंग

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मोकलसर रेलवे स्टेशन पर ट्रैफिक, सिग्नल एवं इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों के लिए फायर फाइटिंग प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में अनेक कर्मचारियों ने भाग लिया।

जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के निर्देशानुसार आयोजित प्रशिक्षण सत्र के दौरान कर्मचारियों को अग्निशामक यंत्रों (फायर एक्सटिंग्विशर) के विभिन्न प्रकार, उनके सही उपयोग की विधि तथा आग लगने की स्थिति में अपनाई जाने वाली आवश्यक सुरक्षा सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी गई। कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में शुरुआती स्तर पर प्रभावी नियंत्रण, सुरक्षित निकासी, त्वरित प्रतिक्रिया तथा आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली कार्यप्रणाली का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। संरक्षा से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य कर्मचारियों को आपदा प्रबंधन के लिए दक्ष बनाना तथा यात्रियों, रेलवे कर्मचारियों और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि स्टेशन स्तर पर सुरक्षा मानकों को और अधिक मजबूत बनाने के लिए समय-समय पर इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे ताकि किसी भी आपात स्थिति का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।

साहित्यकार डॉ. पद्मजा शर्मा को मिलेगा 'कागद सम्मान'

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। हिन्दी और राजस्थानी साहित्य जगत में प्रतिष्ठित 'कागद सम्मान' हनुमानगढ़ के लिए वर्ष 2026 के सम्मानित साहित्यकारों के नाम घोषित कर दिए गए हैं। इस वर्ष हिंदी साहित्य सम्मान के लिए जोधपुर की सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. पद्मजा शर्मा का चयन किया गया है। यह घोषणा कागद फाउंडेशन की बैठक के बाद की गई।

कागद पुस्तकालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार भगवती पुरोहित 'कागद' ने की। राजस्थानी साहित्य सम्मान के लिए श्रीडूंगरगढ़ के वरिष्ठ साहित्यकार श्याम महर्षि, तथा युवा साहित्य सम्मान के लिए बीकानेर के युवा रचनाकार रोशन बाफना का चयन किया गया है।

बैठक में वरिष्ठ साहित्यकार राजेश चड्ढा, नरेश मेहन और कृष्णकुमार 'आशु' ने तीनों सम्मानित साहित्यकारों के नामों की औपचारिक घोषणा करते हुए उनके साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डाला। डॉ पद्मजा शर्मा की कविता, कहानी, लघुकथा, डायरी, रिपोर्ताज बाल साहित्य में 40 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर के प्रतिष्ठित सर्वोच्च मीरा पुरस्कार, अकादमी के ही सुधींद्र पुरस्कार के साथ अनेक पुरस्कारों से सम्मानित हो चुकी हैं। कागद फाउंडेशन ने निर्णय लिया कि सम्मान समारोह आगामी 12 अगस्त को एसकेडी विश्वविद्यालय, हनुमानगढ़ में आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में दूरदर्शन के पूर्व निदेशक डॉ. कृष्णकुमार रत्तू शिरकत करेंगे। बैठक में गोपाल झा, कालूराम शर्मा, डॉ. संतोष राजपुरोहित, भारती पुरोहित सहित अनेक सदस्यों ने भाग लिया।

व्यास मेडिसिटी अस्पताल में सर्जरी शिविर शुरू

जरूरतमंद मरीजों को मिलेगा मुफ्त इलाज

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। शहर के व्यास मेडिसिटी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल द्वारा सामाजिक सरोकार निभाते हुए सीमित अवधि के लिए नि:शुल्क मेगा सर्जरी शिविर का शुरू किया गया है। शिविर का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद मरीजों को उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराना है।

अस्पताल के जनसंपर्क अधिकारी भूपेन्द्र शेखावत ने बताया कि शिविर के अंतर्गत हर्निया, अपेंडिक्स, हाइड्रोसील, बवासीर, पित्त की पथरी, किडनी की पथरी, एडिनॉइड, नाक की हड्डी, कान की सर्जरी, मोतियाबिंद, भेंगापन (स्क्विंट), डीसीआर, हिस्टरेक्टॉमी, ओवेरियन सिस्ट तथा फाइब्रॉइड सहित अनेक गंभीर बीमारियों की सर्जरी पूरी तरह नि:शुल्क की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह शिविर व्यास कैम्पस कुड़ी हौद पाली रोड स्थित अस्पताल परिसर में आयोजित किया जा रहा है। सीमित अवधि तक चलने वाले इस शिविर का लाभ लेने के लिए मरीजों को पूर्व पंजीकरण कराना आवश्यक होगा। अस्पताल प्रशासन के अनुसार शिविर में मरीजों की आवश्यक जांच, दवाइयां तथा ऑपरेशन से संबंधित सभी सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। अनुभवी सुपर स्पेशियलिस्ट चिकित्सकों की टीम आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उपचार करेगी, जिससे मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं मिल सकें।

जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीणों को मिली राहत

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना से मिला आर्थिक सुरक्षा कवच

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। राज्य सरकार द्वारा आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से आमजन तक पहुंचाया जा रहा है। शिविरों में कृषि, पशुपालन एवं राजस्व विभाग की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही उपलब्ध कराया जा रहा है, वहीं वर्षों पुरानी समस्याओं का आपसी सहमति से त्वरित समाधान भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

पंचायत समिति चामू की ग्राम पंचायत प्रह्लादपुरा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 में कृषि विभाग की सिंचाई पाइपलाइन अनुदान योजना के अंतर्गत लाभार्थी खमा देवी पत्नी पुनाराम को 300 मीटर पाइपलाइन के लिए 15,000 का अनुदान प्रदान किया गया। इसी शिविर में पशुपालन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के अंतर्गत एक गाय का 30 हजार का बीमा कर लाभार्थी को बीमा पॉलिसी उपलब्ध कराई गई। योजना से पशुपालक को भविष्य में आकस्मिक पशुहानि की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा का भरोसा मिला। पंचायत समिति शेरगढ़ की ग्राम पंचायत गुमानसिंहपुरा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 में पीरगढ़ के ग्रामीणों की वर्षों पुरानी रास्ते की समस्या का सौहार्दपूर्ण समाधान किया गया। कैम्प प्रभारी एवं उपखंड अधिकारी विक्रांत शर्मा के निर्देशन तथा तहसीलदार दिनेशचंद की पहल पर खातेदारों ने आपसी सहमति से खसरा संख्या 1318/1150 की भूमि में से 4 बीघा भूमि रास्ते के लिए समर्पित कर दी। समर्पण पत्र स्वीकार करते हुए तत्काल नामांतरण की प्रक्रिया प्रारंभ कराई गई, जिससे खेतों तक आवागमन का रास्ता हमेशा के लिए सुनिश्चित हो गया।

ADVT

मानसून ने पकड़ी रफ्तार, जोधपुर में आज से बारिश की संभावना

गर्मी और उमस का कहर, बादलों की आवाजाही

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। पश्चिमी राजस्थान सहित पूरे प्रदेश में करीब पखवाड़े भर के ब्रेक के बाद मानसून फिर सक्रिय होने जा रहा है। मानसून ट्रफ लाइन अपनी सामान्य स्थिति में लौट आई। इसके प्रभाव से बुधवार से जोधपुर सहित पश्चिमी राजस्थान में बादल और बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। इससे पहले आज जोधपुर में बादलों की आवाजाही रही। इस कारण यहां उमस का कहर रहा।

करीब दो सप्ताह की सुस्ती के बाद राजस्थान में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। प्रदेश के कई हिस्सों में सोमवार रात से बारिश का दौर शुरू हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार 23 से 27 जुलाई के बीच प्रदेश के कई हिस्सों में मानसून पूरी तरह सक्रिय रहेगा और कहीं-कहीं भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना है। बारिश की गतिविधियां बढ़ने से तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 23 से 27 जुलाई के बीच कोटा, अजमेर, उदयपुर, जयपुर, भरतपुर, जोधपुर और बीकानेर संभागों में मानसून पूरी तरह सक्रिय रहेगा। इस अवधि में अधिकांश जिलों में लगातार बारिश होने और कई स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान में भी अगले दो-तीन दिनों के दौरान बारिश की गतिविधियां बढ़ने के संकेत हैं।

एक सप्ताह तक रुक-रुक कर होगी बारिश- मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह तक रुक-रुक कर वर्षा का सिलसिला जारी रह सकता है। पिछले कुछ दिनों से मानसून ट्रफ लाइन हिमालय की तराई की ओर खिसक गई थी, जिसे मानसून ब्रेक की स्थिति माना जाता है। इसके कारण प्रदेश में मानसून लगभग निष्क्रिय बना रहा और जून के बाद जुलाई में भी अपेक्षित बारिश नहीं हो सकी। इसके अलावा प्रशांत महासागर में पैदा हुआ खतरनाक टाइफून बावी ने मानसून के बादल ही गायब कर दिए थे। अलनीनो का भी असर था। अब बारिश का दौर शुरू होने से किसानों के साथ आम लोगों को भी अच्छी बारिश की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार जोधपुर में अगले सात दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा। वहीं 22 से 26 जुलाई के बीच गर्जना के साथ बारिश की संभावना जताई गई है।

केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल 26 जुलाई को आएगी जोधपुर

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल 26 जुलाई को जोधपुर आएंगी।

निर्धारित समयानुसार वे सुबह 10.55 बजे जोधपुर एयरपोर्ट पहुचेंगी व सर्किट हाउस के लिए प्रस्थान करेंगी। वे 11.45 बजे सर्किट हाउस से प्रस्थान कर दोपहर 12 बजे एम्स जोधपुर पहुंचकर वहां दीक्षांत समारोह में भाग लेगी। पटेल कार्यक्रम के पश्चात दोपहर 2.55 बजे जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचकर दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगी।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग लोकतंत्र पर कलंक : शर्मा

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। जोधपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के जिलाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं एवं युवाओं पर पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। नरेंद्र शर्मा ने जारी बयान में कहा कि निहत्थे छात्र-छात्राओं और युवाओं पर लाठीचार्ज, जल बौछार तथा आंसू गैस का प्रयोग अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उनका कहना है कि प्रदर्शनकारी नीट परीक्षा प्रश्नपत्र लीक प्रकरण को लेकर पिछले एक महीने से भूख हड़ताल और धरने पर बैठे थे तथा 20 जुलाई को संसद भवन तक मार्च निकालकर अपनी मांगें सरकार के समक्ष रखने का आह्वान किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया, जो बेहद शर्मनाक है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि प्रदर्शनकारियों पर आवश्यकता से अधिक बल प्रयोग किए जाने के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही कहा कि कुछ प्रत्यक्षदर्शियों और सामने आई रिपोर्टों के अनुसार छात्राओं के साथ भी अनुचित व्यवहार किया गया, जिसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए।

नर्सिंग विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक से अंगदान के प्रति किया जागरूक

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय जोधपुर के विद्यार्थियों ने अंगदान को जन जागरण अभियान बनाने की पहल पर नुक्कड़ नाटक आयोजित किया।

महाविद्यालय के प्रधानाचार्य मुकेश तेतरवाल ने बताया कि अंगदान जागरूकता के अंतर्गत मंगलवार को नर्सिंग महाविद्यालय के भविष्य के स्वास्थ्य रक्षकों नर्सिंग छात्र-छात्राओं ने अंगदान के महत्व व प्रक्रिया को बताया। उन्होंने कहा कि ब्रेन डेथ कानूनी एवं चिकित्सकीय रूप से मृत्यु मानी जाती है तथा

ऐसे मामलों में परिजनों की सहमति से अंगदान कर कई लोगों का जीवन बचाया जा सकता है।

इसके प्रति जागरूकता फैलाने व प्रेरित करने के उद्देश्य से मथुरादास माथुर अस्पताल में ज्योति पूनावत, सगुफ्ता सैयद एवं फैकल्टी व विद्यार्थियों के सहयोग से नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया। कार्यक्रम डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. बीएस जोधा एवं अस्पताल अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

पेंशनर समाज ने अस्पताल में भेंट किए चिकित्सा उपकरण

जोधपुर। सेवा भाव को सर्वोपरि मानते हुए राजस्थान पेंशनर समाज उपशाखा सरदारपुरा ने गुप्त नवरात्रा की दुर्गाष्टमी के अवसर पर पूर्व संरक्षक स्वर्गीय उदयकरण सुथार की स्मृति में मथुरादास माथुर अस्पताल परिसर स्थित संभागीय वृद्धजन स्वास्थ्य केन्द्र को उपचार में उपयोगी चिकित्सा उपकरण भेंट किए। उपशाखा की ओर से स्वास्थ्य केन्द्र को 20 ऑक्सीजन मीटर, ह्यूमिडिफायर एवं रोटोमीटर सहित दो ऑक्सीजन चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराए गए, जिससे उपचाराधीन मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी।

एमजीएच की रसोई का निरीक्षण, प्रभारी का सम्मान

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। महात्मा गांधी अस्पताल (एमजीएच) में मरीजों को दी जाने वाली खान-पान की सुविधाओं और स्वच्छता का जायजा लेने के लिए मंगलवार को कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष अंजली वैष्णव ने किचन विभाग का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रसोईघर की व्यवस्थाओं को देखा और मरीजों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की पड़ताल की। इस दौरान किचन विभाग प्रभारी तेज कंवर भी उनके साथ मौजूद रहीं, जिनसे जिलाध्यक्ष ने भोजन निर्माण से लेकर वितरण तक की पूरी कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान विभाग प्रभारी तेज कंवर ने बताया कि वो खुद भी एक डायटीशियन भी है और अस्पताल में भर्ती प्रत्येक मरीज की बीमारी के अनुरूप उनकी देखरेख में स्पेशल डाइट चार्ट तैयार किया जाता है। रसोईघर में पेस्ट कंट्रोल, कैंटीन स्टाफ के नियमित मेडिकल चेकअप, और कर्मचारियों के लिए मास्क व ग्लव्स अनिवार्य किए गए हैं। इसके अलावा, मरीजों को खाना परोसने से पहले रोजाना उसकी सैंपलिंग व जांच की जाती है, और इंसुलेटेड ट्रॉलियों के जरिए सभी वार्डों तक गर्म व ताजा खाना पहुंचाया जाता है। रसोईघर की अनुशासित कार्यशैली, बेदाग साफ-सफाई और मरीजों के स्वास्थ्य के प्रति किचन टीम की सजगता से प्रभावित होकर जिलाध्यक्ष अंजली वैष्णव ने मौके पर ही किचन प्रभारी तेज कंवर का माला पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

यूसीसी पर कानून बनाने से पूर्व प्रारूप सार्वजनिक करने की मांग, ज्ञापन सौंपा

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। वेलफेयर पार्टी ऑफ इण्डिया जोधपुर द्वारा यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) पर कानून बनाने से पूर्व प्रस्तावित कानून का ड्राफ्ट सार्वजनिक कर आमजन एवं सभी हितधारकों से सुझाव, मत एवं आपत्ति आमंत्रित करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। पार्टी के जिलाध्यक्ष मोहम्मद छोटू घोसी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन यूसीसी राजस्थान के अध्यक्ष को जिला कलक्टर के माध्यम से प्रेषित किया गया।

पार्टी के जिलाध्यक्ष मोहम्मद छोटू घोसी ने बताया कि सरकार द्वारा यूसीसी पर सुझाव आमंत्रण हेतु जो प्रारूप और प्रश्नावली भेजी गई है, वह अत्यंत सीमित और एकपक्षीय है। इसमें सुझाव देने वाले व्यक्ति को केवल हां या नहीं में ही पक्ष रखने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है, जिससे निष्पक्ष जनसुनवाई की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। वेलफेयर पार्टी ऑफ इण्डिया ने मांग की है कि प्रस्तावित नीति या कानून का ड्राफ्ट (प्रारूप) तुरंत जारी किया जाए, जो कि कानून निर्माण की संवैधानिक और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा है, बिना ड्राफ्ट जारी किए कानून बनाना केवल विधि निर्माण प्रक्रिया का उल्लंघन ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व कल्याणकारी मूल्यों का हनन है, एक सम्यक, व्यापक और पारदर्शी कानून की प्रक्रिया प्रारंभ करने के लिए सभी पक्षों का मत एवं सटीक सुझाव लिए जाएं। पार्टी ने स्पष्ट किया कि बिना मसौदा सार्वजनिक किए कानून लाना सरकार की मंशा और प्रक्रिया की पारदर्शिता पर संदेह उत्पन्न करता है। अतः यूसीसी पर कानून बनाने से पहले सरकार इसका प्रारूप सार्वजनिक करे और सभी हितधारकों की राय सुनिश्चित करे। ज्ञापन देने में प्रदेश सचिव जाकिर हुसैन, जिला सचिव तंजील अहमद, शहर अध्यक्ष अरविंद भाटी, महिला अध्यक्ष अंजली भुज, उपाध्यक्ष समसुद्दीन तंवर, महासचिव मोहम्मद रियाज, सनवर हुसैन, आसिफ कुरैशी, रुखसाना सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

आज सात फेरे लेंगे हत्या के दो सजायाफ्ता कैदी

जोधपुर की खुली जेल के इतिहास में पहला मौका,सहेली के पिता करेंगे कन्यादान

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। मंडोर स्थित ओपन जेल कैंप में बुधवार को उम्र कैद की सजा काट रहे दो

बंदियों की शादी होने जा रही हैं। यहां उम्रकैद की सजा काट रहे दो बंदी नागौर के मूलाराम और मुंबई की रहने वाली सीमा घड़से आपस में विवाह करने जा रहे हैं। भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली के सुधारात्मक रूप को बयां करती यह शादी 22 जुलाई को संपन्न होगी। ओपन जेल कैंप के इतिहास में यह पहला मौका है जब यहां रहने वाले दो बंदियों का आपस में विवाह हो रहा है।

मूलाराम और सीमा दोनों पिछले करीब डेढ़ साल से यहां रह रहे हैं। इसी दौरान दोनों की मुलाकात हुई और दोनों ने साथ मिलकर जीवन की एक नई शुरुआत करने का फैसला किया। पति की हत्या के आरोप में साल 2019 से सजा काट रही सीमा के परिवार से महाराष्ट्र से कोई भी इस शादी में शामिल होने नहीं आ पा रहा है। ऐसे में जेल में बनी सीमा की एक सहेली के पिता जसाणियां की ढाणी रावरा, फलोदी निवासी राधाकिशन वागेला ने पिता का फर्ज निभाने का फैसला किया है। वागेला परिवार ने ही शादी के कार्ड छपवाए हैं। उनके अनुसार बुधवार दोपहर बाद पाणिग्रहण संस्कार संपन्न होगा, जिसमें राधाकिशन खुद सीमा का कन्यादान करेंगे। इस शादी के लिए कोर्ट के निर्देशानुसार 21 मेहमानों को शामिल होने की अनुमति दी गई है। विवाह का पूरा खर्च मूलाराम खुद वहन करेंगे। मूलाराम और सीमा डेढ साल से यहां रहते हैं, दोनों मिलकर कृषि कार्य कर रहे हैं। इनके क्वाटर में ही शादी होगी। हाईकोर्ट के न्यायाधीश पुष्पेंद्र सिंह भाटी और प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने नागौर निवासी मूलाराम की अस्थाई सजा निलंबन याचिका का निस्तारण करते इस शादी का ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। याचिका में कहा गया था कि विवाह से दोनों के पुनर्वास और सुधार की प्रक्रिया को बल मिलेगा तथा वे भविष्य में सामान्य पारिवारिक जीवन जी सकेंगे।

ADVT

भोपालगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र में विशेष ग्राम सभा एवं जनसुनवाई शिविरों का होगा आयोजन

भोपालगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार पंचायत समिति भोपालगढ़ क्षेत्र में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से 21 जुलाई 2026 से 31 अगस्त 2026 तक विशेष ग्राम सभा एवं जनसुनवाई शिविरों का आयोजन किया जाएगा। पीए सुरेंद्र डूडी ने बताया कि 21 जुलाई से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिविरों का आयोजन नांदिया प्रभावती, बुड़किया, देवातड़ा, झालामलिया, अरटिया कलां, अरटिया खुर्द, कुड़ी, धोरू, बागोरिया, बिराणी, रूदिया, हीरादेसर, उस्तरा, गादेरी , हिंगोली, सुरपुरा खुर्द, पालड़ी राणावतां, नाड़सर, बारनी खुर्द, कुम्हारा, रजलानी, छापला, गारासनी, रामपुरा, आसोप, बासनी हरिसिंह, मंगोरिया, रडोद, गजसिंहपुरा, ढंढोरा तथा खेड़ी सालवा ग्राम पंचायतों में निर्धारित तिथियों पर आयोजित किए जाएंगे। प्रशासन ने सभी ग्रामवासियों से अपील की है कि वे अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित तिथि एवं स्थान पर आयोजित शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करवाएं तथा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

सेंट्रल एकेडमी फलोदी में विधिक जागरूकता कार्यक्रम

विद्यार्थियों को कानून, साइबर सुरक्षा व पर्यावरण संरक्षण की दी जानकारी

फलोदी (हुक्मनामा समाचार)। सेंट्रल एकेडमी स्कूल, फलोदी में मंगलवार को विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री देवयानी शर्मा, एलएडीसी सदस्य एडवोकेट शक्ति सिंह चंपावत तथा पैरा लीगल वॉलिंटियर मगराज मेघवाल ने विद्यार्थियों को कानून, संविधान में प्रदत्त अधिकारों एवं नागरिकों के कर्तव्यों की जानकारी दी। अतिथियों ने साइबर अपराध, महिला एवं बाल सुरक्षा सहित विभिन्न सामाजिक अपराधों से बचाव के उपाय बताते हुए आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों और नि:शुल्क कानूनी सहायता सेवाओं के उपयोग के प्रति जागरूक किया। उन्होंने विद्यार्थियों से जागरूक, सतर्क और जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण, अधिक से अधिक पौधे लगाने और हरित वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया। अंत में विद्यार्थियों ने कानून और सुरक्षा से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका अतिथियों ने सरल व प्रेरक ढंग से उत्तर दिया। विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

सफलता की कहानी : आयुष्मान भारत योजना से मिला नया जीवन

सांचौर (हुक्मनामा समाचार)। ग्राम पंचायत खारा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान ग्राम निवासी दरगाराम ने बताया कि उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्या के उपचार के लिए आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। शिविर में उन्हें आयुष्मान भारत योजना के बारे में जानकारी दी गई तथा उनका आयुष्मान कार्ड बनाया गया।

लाभार्थी ने बताया कि आयुष्मान कार्ड के माध्यम से उन्हें सूचीबद्ध अस्पतालों में 5 लाख रूपए तक की नि:शुल्क उपचार की सुविधा मिलेगी और उनके परिवार पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ से भी राहत मिलेगी। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा व जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

जिला कलक्टर ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की

फॉलो-अप शिविरों में प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

फलौदी (हुक्मनामा समाचार)। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में संपर्क पोर्टल, हरियालो राजस्थान अभियान, माँ री संभाल अभियान सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला कलक्टर ने संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का गुणवत्ता के साथ समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि आमजन की शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए तथा उन्हें शीघ्र राहत उपलब्ध कराई जाए। हरियालो राजस्थान अभियान की समीक्षा के दौरान उन्होंने विभागवार पौधारोपण लक्ष्यों की प्रगति की जानकारी ली और सभी अधिकारियों को पौधारोपण के साथ उसकी फोटो निर्धारित ऐप पर अनिवार्य रूप से अपलोड करने के निर्देश दिए। बैठक में मंगलवार से प्रारंभ हुए ग्रामीण एवं शहरी फॉलो-अप शिविरों की भी समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने अधिकारियों से कहा कि 31 अगस्त तक आयोजित होने वाले इन शिविरों में प्राप्त प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण किया जाए। साथ ही आमजन से प्राप्त सुझावों का गंभीरता से परीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्रभावी रूप से लोगों तक पहुंच सके।

कलक्टर ने किया मुख्यमंत्री सर्वजन बालिका आवासीय विद्यालय का निरीक्षण

विद्यार्थियों से संवाद कर जानी समस्याएं, बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

बाड़मेर, (हुक्मनामा समाचार)। जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल ने मंगलवार को गड़रारोड ब्लॉक की ग्राम पंचायत जयसिंधर स्टेशन स्थित मुख्यमंत्री सर्वजन बालिका आवासीय विद्यालय एवं राजकीय अनुसूचित बालक आवासीय विद्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं से आत्मीय संवाद कर उनकी शैक्षणिक प्रगति, आवासीय सुविधाओं, भोजन व्यवस्था एवं अन्य आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली।

जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि छात्राओं की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करते हुए आवासीय विद्यालय में सभी मूलभूत सुविधाएं सुचारु एवं गुणवत्तापूर्ण रूप से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने छात्राओं को नियमित अध्ययन के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने राजकीय अनुसूचित बालक आवासीय विद्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आवासीय, शैक्षणिक एवं अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों से संवाद किया तथा उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली।

नीट पेपर लीक के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

फलोदी। नीट पेपर लीक मामले को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को फलोदी स्थित कांग्रेस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष मोहम्मद सलीम नागौरी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया।

जिलाध्यक्ष सलीम नागौरी ने कहा कि पेपर लीक से लाखों मेधावी छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस मामले में गंभीरता नहीं दिखा रही है। कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देने की मांग की तथा पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई।

प्रदर्शन में मोहन मेघवाल, भैरव मकवाना, डॉ. नवल किशोर जोशी, लीलाधर कनोजिया, यश जोशी, बबलू व्यास सहित कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

ऑपरेशन उजास' की बड़ी सफलता: एक साल से फरार मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

फलोदी, (हुक्मनामा समाचार)। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ फलोदी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन उजास' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए जाम्बा थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में पिछले एक वर्ष से फरार चल रहे आरोपी सुरेश पुत्र लक्ष्मणराम विश्नोई (31), निवासी मानेवड़ा, पीएस भोजासर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक सतनाम सिंह ने बताया कि गत वर्ष जाम्बा थाना क्षेत्र में 59.580 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद होने के मामले में आरोपी की तलाश की जा रही थी। अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजराज सिंह के सुपरविजन तथा वृत्ताधिकारी अचलसिंह देवड़ा के निर्देशन में जाम्बा थाना पुलिस ने सूचना संकलन और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी को दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की।

गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है। पुलिस अब अवैध डोडा पोस्त की खरीद-फरोख्त तथा इससे जुड़े तस्करी सिंडिकेट के अन्य सदस्यों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है। कार्रवाई में थानाधिकारी देवाराम विश्नोई सहित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

जिला कलक्टर ने ग्राम नारणावास में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

जालोर (हुक्मनामा समाचार)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्राम नारणावास मे आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और निस्तारण योग्य प्रकरणों का मौके पर ही समाधान करवाया। जिला कलक्टर ने शिविर में उपस्थित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाएं। इस अवसर पर जालोर उपखण्ड अधिकारी मनोज, तहसीलदार अर्जुन सिंह चौहान, नारणावास प्रशासक यशोदा कंवर, प्रधानाध्यापक रूप सिंह राठौड़ सहित अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। मंगलवार को जिले की नारणावास, उम्मेदपुर, राउता, तुरा, माण्डोली, सुरजवाडा, टांपी तथा खारा ग्राम पंचायतों में आयोजित हुए ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से आमजन की समस्याओं का संबंधित विभागीय अधिकारियों ने मौके पर ही समाधान किया।

अभियान के तहत आमजन की समस्याओं का होगा त्वरित निस्तारण

जैसलमेर (हुक्मनामा समाचार)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार नगरीय विकास एवं आवासन विभाग द्वारा संचालित शहरी सेवा शिविर अभियान 2026 के फॉलोअप शिविर 21 जुलाई 2026 से 31 अगस्त 2026 तक समस्त न्यास क्षेत्राधिकार में आयोजित किया जाना निर्धारित किया गया है। अभियान के तहत आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण, विभिन्न शहरी सेवाओं का लाभ करना, नवीन आवेदन एवं लंबित प्रकरणों का निस्तारण, पट्टा संबंधी कार्यवाही (90ए, सुओमोटो), स्वच्छता, सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य जनहितकारी कार्यों का प्रभावी कियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। नगर विकास न्यास सचिव, सुखराम पिण्डेल ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रमानुसार 21 से 24 जुलाई, 27 से 31 जुलाई, 03 अगस्त से 07 अगस्त, 10 से 14 अगस्त, 17 से 21 अगस्त, 24 से 25 अगस्त, 27 अगस्त एवं 31 अगस्त तक शहरी सेवा शिविर अभियान 2026 के फॉलोअप शिविरों का आयोजन नगर विकास न्यास कार्यालय में प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक किया जाएगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत-बोड़वी खुर्द
पं.स. बावड़ी जोधपुर

क्रमांक: ग्रा.पं./बोड़वी खुर्द/26-27/100 दिनांक : 21.07.2026

ई निविदा सूचना

ग्राम पंचायत बोड़वी खुर्द में राज्य वित्त आयोग सक्षम पीएस पद योजना अन्तर्गत विभिन्न विकास कार्य ग्राम पंचायत जोइन्तरा में करवाये जाने हैं। इस कार्य हेतु राज्य सरकार के निर्माण विभागों, केन्द्र सरकार के निर्माण विभागों, राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों इत्यादि में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से जो कि निविदा की लागत के कार्य करने में सक्षम हो, से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। सक्षम संवेदक ग्राम पंचायत में उपस्थित होकर निर्धारित शुल्क जमा करवाकर निविदा प्रपत्र प्राप्त कर सकता है। निविदा की विस्तृत जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in से एवं ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

प्रशासक
ग्राम पंचायत-बोड़वी खुर्द
पं.स. बावड़ी (जोधपुर)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत-बोड़वी खुर्द
पं.स. बावड़ी (जोधपुर)

ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूजडे' अभियान के तहत फलोदी जिले के विद्यालयों में विधिक जागरुकता शिविर आयोजित

नशे, साइबर अपराध और बच्चों के अधिकारों पर न्यायिक अधिकारियों ने दी जानकारी, अंत में किया पौधारोपण

फलोदी, (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के जुलाई-2026 एक्शन प्लान की पालना में अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) श्री चक्रवर्ती महेचा के निर्देशानुसार मंगलवार को जिलेभर में 'ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूजडे' अभियान के तहत विभिन्न विद्यालयों में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित किए गए। अभियान के अंतर्गत जिले में पदस्थापित न्यायिक अधिकारियों ने विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों को कानून, बच्चों के अधिकार, नशे के दुष्प्रभाव और साइबर अपराधों से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. अजय कुमार बिश्नोई ने बताया कि राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की पहल पर प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को न्यायिक अधिकारी विद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों को विधिक शिक्षा प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि 'ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूजडे' का उद्देश्य केवल कानून की जानकारी देना नहीं, बल्कि बच्चों में सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास करना है। शिविरों में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए न्यायिक अधिकारियों ने कहा कि 'नशे को ना कहो, अपने सपनों को हाँ कहो '। उन्होंने नशीले पदार्थों से दूर रहने, साइबर ठगी से सतर्क रहने तथा अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, बाड़मेर

ई-मेल-adpcsmsabarmer@gmail.com

क्रमांक: अति.जिपस/बाड़मेर/2026-27/04 दिनांक : 20.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या-04/2026-27

श्रीमान् निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर व राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर से प्राप्त स्वीकृतियों के अनुसार जिला बाड़मेर व बालोतरा के 29 पीएमश्री विद्यालयों में मानव संसाधन आपूर्ति हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन खुली ई निविदा आमंत्रित की जाती है, जिनका विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB :- RSE2627A0319 UBN No. :- RSE2627SLOB00836

अति. जिला परियोजना समन्वयक
समग्र शिक्षा, बाड़मेर

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (मा योजना)की आउटबाउंड पोर्टेबिलिटी से प्रदेशवासियों को बड़ी राहत

प्रदेश के पात्र परिवार देश के विभिन्न राज्यों में भी 25 लाख रुपये तक का कैशलेस निःशुल्क उपचार करा सकेंगे

कर्नाटक और तमिलनाडू के अलावा सभी राज्यों में सुविधा उपलब्ध

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मा योजना) योजना के तहत प्रदेश के पात्र परिवारों को अब राज्य से बाहर भी बेहतर एवं कैशलेस निःशुल्क उपचार की सुविधा मिल रही है। राज्य सरकार द्वारा लागू की गई आउटबाउंड इंटर-स्टेट पोर्टेबिलिटी व्यवस्था के माध्यम से पात्र लाभार्थी देश के विभिन्न राज्यों में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से संबद्ध अस्पतालों में 25 लाख रुपये तक का कैशलेस निःशुल्क उपचार प्राप्त कर सकते हैं।

6 माह में प्रदेश के 30 हज़ार से अधिक लोगों ने अन्य राज्यों में 25 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज कराया

6 माह में प्रदेश के 30 हज़ार से अधिक लोगों ने अन्य राज्यों के अस्पतालों में 25 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज करवाया है । मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के समन्वय से संचालित की जा रही है, जिसके अंतर्गत प्रदेश के 1.36 करोड़ पात्र परिवारों को प्रति वर्ष 25 लाख रुपये तक का कैशलेस निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना में 2,179 उपचार पैकेज शामिल हैं, जिनमें सामान्य बीमारियों के साथ-साथ कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग, अंग प्रत्यारोपण जैसी गंभीर बीमारियों का उपचार भी सम्मिलित है।

कर्नाटक और तमिलनाड के अलावा सभी राज्यों में सुविधा उपलब्ध पूर्व में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए प्रदेश के मरीजों को गुजरात, दिल्ली सहित अन्य राज्यों में जाकर उपचार कराना पड़ता था, जिससे उन्हें आर्थिक एवं प्रशासनिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या के समाधान के लिए राज्य सरकार ने 15 दिसंबर 2025 से आउटबाउंड इंटर-स्टेट पोर्टेबिलिटी लागू की, जिसके बाद पात्र परिवार देश के अन्य राज्यों में स्थित पीएमजेएवाई से संबद्ध अस्पतालों में भी कैशलेस उपचार का लाभ उठा रहे हैं। इस व्यवस्था के तहत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के पात्र परिवारों के साथ-साथ मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य

मा योजना में राज्य के सभी पात्र 1.36 करोड़ परिवारों को लाख रुपये की कैशलेस निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध

योजना के सभी पात्र परिवारों को भी अन्य राज्यों में 25 लाख रुपये तक के कैशलेस निःशुल्क उपचार का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है।

अब तक इस प्रावधान के अंतर्गत 5,959 क्लेम प्रस्तुत किए जा चुके हैं, जिनकी कुल राशि 17 करोड़ रुपये से अधिक है। इन क्लेम्स के माध्यम से मरीजों ने हार्ट स्टेंट, हार्ट बायपास सर्जरी, कैंसर सर्जरी, कीमोथेरेपी, डायलिसिस, जनरल सर्जरी, सिजेरियन प्रसव सहित विभिन्न जटिल उपचारों का लाभ प्राप्त किया है।

लाभार्थियों द्वारा सर्वाधिक उपचार गुजरात, हरियाणा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और दिल्ली के अस्पतालों में कराया गया है। वर्तमान में इंटर-स्टेट पोर्टेबिलिटी के तहत देशभर में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से संबद्ध लगभग 16 हजार से अधिक सरकारी तथा 14 हजार से अधिक निजी अस्पतालों में कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध है। इनमें गुजरात के 2,067, हरियाणा के 1,366, मध्यप्रदेश के 1,622, महाराष्ट्र के 1,709, पंजाब के 823, उत्तर प्रदेश के 6,182 तथा दिल्ली के 184 अस्पताल शामिल हैं।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ का कहना है कि-

राज्य सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रदेश का प्रत्येक पात्र नागरिक आवश्यकता पड़ने पर राज्य की सीमाओं से बाहर भी बिना किसी आर्थिक बोझ के गुणवत्तापूर्ण उपचार प्राप्त कर सके। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना की आउटबाउंड पोर्टेबिलिटी व्यवस्था इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण और जनहितकारी पहल है।

सितंबर तक 20 हजार नए डीपीएनजी कनेक्शन जारी करने के निर्देश

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। अतिरिक्त मुख्य सचिव (माइंस एवं पेट्रोलियम) अपर्णा अरोरा ने राज्य की सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) कंपनियों को सितंबर अंत तक 20 हजार नए डोमेस्टिक पाइप्ड नेचुरल गैस (डीपीएनजी) कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने घरेलू उपभोक्ताओं के साथ औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी प्राथमिकता से पीएनजी सुविधा से जोड़ने और जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया। समीक्षा बैठक में बताया गया कि पिछले दो महीनों में 21,240 परिवारों तथा 240 औद्योगिक-व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पीएनजी सुविधा से जोड़ा गया है। वर्तमान में राज्य में 1.75 लाख से अधिक घरेलू और 1,553 औद्योगिक एवं व्यावसायिक पीएनजी कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं।

जीआरपीएफ रैंकिंग मई 2026 में महिला एवं बाल विकास विभाग और प्रतापगढ़ जिला अव्वल

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। समस्त पोर्टल के डेटा के आधार पर तैयार किए गए Grievance Redressal Performance Framework - GRPF की मई 2026 की रैंकिंग में महिला एवं बाल विकास विभाग ने 91.30 अंकों के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विभाग ने प्रशासनिक संवेदनशीलता और जन शिकायत निस्तारण में अन्य सभी विभागों से बेहतर प्रदर्शन किया है। वहीं जिला प्रतापगढ़ 89.55 अंकों के साथ जिलों की रैंकिंग में शीर्ष पर रहा। प्रतापगढ़ ने शिकायत निस्तारण और कलेक्टर-स्तरीय समीक्षा में उत्कृष्ट दक्षता प्रदर्शित की है। टॉप 5 विभागों में पंचायती राज, श्रम, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग भी शामिल हैं। टॉप 5 जिलों में टोंक, दौसा, अलवर और सलूंबर जिले रहे।

67वीं वार्षिक कला प्रदर्शनी की नियमावली जारी फॉर्म जमा कराने की अंतिम तिथि 8 सितम्बर

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान ललित कला अकादमी, जयपुर द्वारा इस वर्ष 67वीं वार्षिक कला प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा। इस कला प्रदर्शनी में राज्य के युवा एवं वरिष्ठ चित्रकारों से कृतियां आमंत्रित की जा रही है । इस वार्षिक कला प्रदर्शनी/प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल द्वारा 10 सर्वश्रेष्ठ कलाकृतियों को पच्चीस-पच्चीस हजार रूपये के दस पुरस्कार वार्षिक समारोह में प्रदान किये जायेंगे । अकादमी कार्यालय में कृतियां जमा कराने की अन्तिम तिथि 8 सितम्बर, 2026 रखी गयी है। नियमावली कार्यालय समय में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

21 जुलाई से 31 अगस्त तक लगेंगे शहरी सेवा शिविर-2026 के फॉलोअप कैंप

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी नगरीय क्षेत्रों में 21 जुलाई से 31 अगस्त (रविवार छोड़कर) तक शहरी सेवा शिविर-2026 के फॉलोअप कैंप आयोजित करने का निर्णय लिया है। इन शिविरों में पूर्व में लंबित एवं नए प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जाएगा। जन्म, मृत्यु, विवाह पंजीकरण, पट्टे, नामांतरण, ट्रेड लाइसेंस, ऋण स्वीकृति सहित सभी सेवाएं पूर्ववत उपलब्ध रहेंगी तथा दी गई छूट और शिथिलताएं भी जारी रहेंगी। प्रत्येक नगरीय निकाय में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक शिविर संचालित होंगे। जिला कलक्टर तैयारियों, मॉनिटरिंग और क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार होंगे तथा लंबित कार्य पूरे होने तक शिविर जारी रखा जाएगा।

मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य भवन में सुरक्षित मातृत्व सेवाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा की

हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की मॉनिटरिंग और डिजिटल ट्रैकिंग व्यवस्था होगी और मजबूत

पिछले 24 घंटे में सभी हाई रिस्क प्रसव सुरक्षित

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। प्रदेश में सुरक्षित मातृत्व सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा गर्भवती महिलाओं के रेफरल प्रबंधन को डिजीटल माध्यम से सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं, हाई रिस्क गर्भवतियों की निगरानी, रेफरल प्रबंधन, डिजिटल ट्रैकिंग तथा प्रसव सुविधा वाले राजकीय अस्पतालों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने पिछले 24 घंटे में प्रदेश के विभिन्न राजकीय चिकित्सालयों में हुए सभी सिजेरियन प्रसव तथा हाई रिस्क गर्भवतियों की स्थिति की अधिकारियों एवं फील्ड स्वास्थ्यकर्मियों से सीधे जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि इस अवधि में सभी प्रसव सुरक्षित रहे। इस पर उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम तथा फील्ड स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों को भर्ती सभी प्रसूताओं की सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने जयपुर, चूरू, झुंझूनूं जिलों की एएनएम से भी सीधे संवाद किया। उन्होंने हाई रिस्क गर्भवतियों के नियमित फॉलोअप, संभावित प्रसव तिथि की निगरानी, समय पर चिकित्सकीय परामर्श तथा आवश्यकता पड़ने पर त्वरित रेफरल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज द्वारा विकसित 'सेतु डिजिटल इमरजेंसी हेल्थकेयर सॉफ्टवेयर' की कार्यप्रणाली की जानकारी लेते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में भी सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से इसी प्रकार का एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यह प्रणाली एएनएम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों एवं अन्य फील्ड स्वास्थ्यकर्मियों को उपलब्ध कराई जाए, जिससे गर्भवती महिलाओं की रियल टाइम ट्रैकिंग तथा रेफरल प्रबंधन और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरएमएससीएल) से अस्पतालों में दवाइयों एवं चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता तथा इन्वेंटरी प्रबंधन की समीक्षा की।

साथ ही माइक्रोबायोलॉजी सेवाओं के लिए मानकीकृत प्रोटोकॉल तैयार कर रिकॉर्ड ऑफ प्रोसीजर (आरओपी) जारी करने के निर्देश दिए, ताकि सभी संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण एवं एकरूप सेवाएं सुनिश्चित हो सकें। मुख्य सचिव ने सुरक्षित मातृत्व सेवाओं से जुड़ी सूचनाओं एवं प्रसव संबंधी मामलों की त्वरित मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तर पर समर्पित कंट्रोल रूम स्थापित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे प्रत्येक प्रसूता की स्थिति पर राज्य स्तर से सतत निगरानी रखी जा सकेगी।

लोक सेवा निदेशक एवं पदेन संयुक्त सचिव हर्ष सावनसुखा ने राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) का किया निरीक्षण

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। प्रदेशवासियों की शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध समाधान के लिए राज्य सरकार राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) के माध्यम से लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में निदेशक जन अभियोग निराकरण विभाग हर्ष सावनसुखा ने मंगलवार को राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) का निरीक्षण कर पोर्टल की कार्यप्रणाली, लंबित प्रकरणों के निस्तारण तथा तकनीकी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान श्री सावन सुखा ने प्रकरणों के निस्तारण में आ रही तकनीकी समस्याओं पर अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की तथा पोर्टल को अधिक सरल एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने सीपीग्राम पोर्टल पर लंबित राज्य स्तरीय प्रकरणों की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के कारणों की जानकारी ली और तकनीकी बाधाओं को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए।

राजस्थान में बारिश के कारण 13 ट्रेन लेट

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान के कुछ इलाकों में हो रही बारिश का असर ट्रेनों पर भी पड़ने लगा है। जयपुर जंक्शन होकर चलने वाली कई गाड़ियां तीन से चार घंटे की देरी से चल रही है।वहीं उत्तर पश्चिम रेलवे के सीकर यार्ड में पानी भरने के कारण कई ट्रेनों को आंशिक रद्द किया गया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि बारिश के कारण कई जगहों पर ट्रैकों पर पानी भर गया है, जिसका असर उत्तर पश्चिम रेलवे से गुजरने वाली कई ट्रेनों पर पड़ा है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपने ट्रेन का स्टेटस चेक करके ही घर से निकले।

महिला क्रिकेटर्स को शिकायत के बाद मिल रहीं धमकियां

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। भरतपुर की महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने जिला क्रिकेट संघ के सचिव शत्रुघ्न तिवारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर मुख्यमंत्री, खेल मंत्री और राज्य महिला आयोग से न्याय की गुहार लगाई है। खिलाड़ियों का आरोप है कि बार-बार शिकायतें दर्ज कराने के बावजूद अब तक उन्हें न्याय नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि शिकायत दर्ज कराने के बाद से उन पर और उनके परिवार पर लगातार शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है, धमकियां दी जा रही हैं।

वनपाल सीधी भर्ती परीक्षा -2026

बोर्ड ने मास्टर प्रश्न पत्र तथा इसकी प्रारंभिक उत्तर कुंजी जारी की

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने 28 जून 2026 को आयोजित वनपाल सीधी भर्ती 2026 परीक्षा के मास्टर प्रश्न पत्र तथा इसकी प्रारंभिक उत्तर कुंजी जारी की है। सूची बोर्ड की वेबसाइट www.rssb.rajasthan.gov.in पर अपलोड की गई है। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के सचिव प्रीति माथुर ने बताया कि बोर्ड द्वारा प्रत्येक आपत्ति का शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया है। परीक्षार्थी बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध ऑनलाइन आपत्ति के लिंक पर जाकर अपनी एसएसओ आई.डी. के माध्यम से शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।

जयपुर में लगेगा 150 करोड़ रुपये का अत्याधुनिक पॉलीफिल्म प्लांट

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (आरसीडीएफ) जयपुर में करीब 150 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक एवं पूर्णतः स्वचालित 20 मैट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता का पॉलीफिल्म मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करेगा। इस परियोजना के लिए हिन्दुस्तान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरएल) और आरसीडीएफ के बीच जल्द एमओयू होगा। एचआरएल प्लांट की डीपीआर, तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण तथा कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

एसएलबीसी की विशेष साइबर समन्वय बैठक सम्पन्न

मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक ने बैठक में साइबर ठगी पर अंकुश के लिए दिए दिशा-निर्देश

'जीरो टाइम लैग' के लक्ष्य के साथ काम करें बैंक-मुख्य सचिव

190 बैंक शाखाओं पर होगी एआई की पैनी नजर

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राज्य में साइबर सुरक्षा तंत्र को और सुदृढ़ बनाने तथा आमजन के धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में मंगलवार को शासन सचिवालय में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की विशेष साइबर समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा तथा राजस्थान पुलिस एवं प्रमुख बैंकों के अधिकारियों ने भाग लेकर साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की रोकथाम हेतु ठोस एवं परिणाम-मूलक रणनीति तय की। मुख्य सचिव ने कहा कि बैंकों को 'जीरो टाइम लैग' का लक्ष्य लेकर कार्य करना होगा। हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत मिलते ही बैंकों की प्रतिक्रिया तीव्र होनी चाहिए तथा नागरिक की शिकायत और खाता होल्ड की कार्रवाई के बीच समय-अंतराल नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दस में से मात्र एक मामले में ही बैंकों की त्वरित प्रतिक्रिया से राशि रुक पाना गंभीर विषय है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बैंक अधिकारी स्वयं 1930 कॉल सेंटर का दौरा कर नागरिकों की समस्याओं को नजदीक से समझें और पुलिस के साथ हैंड्स-ऑन समन्वय स्थापित करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक एवं समयबद्ध प्रयासों से साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा और प्रदेश डिजिटल सुरक्षा के क्षेत्र में एक मॉडल राज्य के रूप में उभरेगा। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा साइबर सुरक्षा एवं म्यूल अकाउंट्स की रोकथाम हेतु समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

बैंक प्रतिनिधि करेंगे 1930 कॉल सेंटर का दौरा

मुख्य सचिव ने बताया कि निर्देशों की अनुपालना में बुधवार को सभी बैंकों के प्रतिनिधि पुलिस मुख्यालय स्थित 1930 कॉल सेंटर का दौरा करेंगे। इस दौरे के माध्यम से बैंक अधिकारी कॉल सेंटर की कार्यप्रणाली, शिकायत निस्तारण प्रक्रिया तथा नागरिकों की व्यावहारिक कठिनाइयों को नजदीक से समझ सकेंगे, जिससे आगे की कार्यवाही और अधिक प्रभावी एवं त्वरित हो सकेगी।

केवाईसी अपडेट एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा पर विशेष बल

मुख्य सचिव ने कहा कि साइबर ठग प्रायः केवाईसी अपडेट के नाम पर फर्जी कॉल, एसएमएस अथवा लिंक भेजकर आमजन को झांसे में लेते हैं। अतः बैंक ग्राहकों तक केवाईसी संबंधी सूचनाएं केवल सत्यापित माध्यमों से ही पहुंचाई जाएं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक साइबर ठगी के प्रति सर्वाधिक असुरक्षित हैं। इसलिए बैंक शाखाओं में उनके लिए विशेष सहायता काउंटर स्थापित किए जाएं तथा उन्हें डिजिटल लेन-देन में सतर्कता बरतने के लिए व्यक्तिगत रूप से जागरूक किया जाए।

सक्रिय कार्यकर्ताओं को मिलेगी प्राथमिकता:रुत्विक मकवाना

भीनमाल (हुक्मनामा समाचार)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भीनमाल एवं बागोड़ा की संयुक्त संगठनात्मक बैठक खेतावत सेवा सदन भीनमाल में आयोजित हुई। बैठक में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के सह-प्रभारी रुत्विक मकवाना मुख्य अतिथि की उपस्थिति में आयोजित हुई।कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव ललित बोरीवाल,भीनमाल विधायक डॉ. समरजीतसिंह,जिलाध्यक्ष रमीला मेघवाल तथा कांग्रेस प्रत्याशी सरोज चौधरी ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम में रुत्विक मकवाना ने कहा कि संगठन में सक्रिय रूप से कार्य करने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता की रिपोर्ट सीधे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (ढ्ढष्टष्ट) तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि संगठन में वास्तविक रूप से कार्य करने वालों को ही जिम्मेदारी और प्राथमिकता दी जाएगी।भीनमाल विधायक डॉ. समरजीतसिंह ने कहा कि कांग्रेस आगामी चुनाव कार्यकर्ताओं की ताकत के दम पर लड़ेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और पूरी निष्ठा के साथ चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव ललित बोरीवाल ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत कांग्रेस संगठन को अधिक मजबूत और सक्रिय बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निष्क्रिय पदाधिकारियों के स्थान पर सक्रिय एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमीला मेघवाल ने बताया कि जिले में संगठन सृजन अभियान के तहत जिला,ब्लॉक एवं मंडल कार्यकारिणियों के गठन का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कहा कि जालौर जिला कांग्रेस संगठन पूरी तरह सक्रिय है और सभी कार्यकर्ता अपने दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन कर रहे हैं।बैठक में कांग्रेस ओबीसी जिलाध्यक्ष सीएल गहलोत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री ब्राह्मण स्वर्णकार समाज संस्थान फलोदी की आमसभा संपन्न, नई कार्यकारिणी का गठन

नरेंद्र कुमार बाड़मेरा (राजा) की अध्यक्षता में हुई बैठक, विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का मनोनयन

फलोदी (हुक्मनामा समाचार)। श्री ब्राह्मण स्वर्णकार समाज संस्थान फलोदी की आमसभा मंगलवार को मुरलीमनोहरजी मंदिर परिसर में अध्यक्ष नरेंद्र कुमार बाड़मेरा (राजा) की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संस्थान की संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा करते हुए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

महामंत्री दिनेश कुमार जसमतिया एवं कोषाध्यक्ष अरविंद जसमतिया ने बैठक में संस्थान की गतिविधियों एवं भावी योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में पुखराज जसमतिया, घनश्याम महेचा एवं नारायण जसमतिया को उपाध्यक्ष, नरेंद्र (नरु) कट्टा को संगठन मंत्री तथा गोपाल कट्टा को प्रचार मंत्री मनोनीत किया गया। वहीं ओमप्रकाश जसमतिया एवं उमेश कुमार बाड़मेरा को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया। इसके अलावा कार्यकारिणी में ओमप्रकाश महेचा, गोपाल बाड़मेरा, देव भजुड़, सुनील मंडोरा, राधेश्याम जसमतिया, रमेश मथरिया, दीपक जसमतिया, जीतेश बाड़मेरा, प्रद्युम्न (प्रदीप) जसमतिया, यश बाड़मेरा, दिनेश जे. जसमतिया, हरिकिशन बाड़मेरा, गोविंद जसमतिया, चुन्नीलाल कट्टा सहित अन्य सदस्यों को शामिल किया गया। बैठक के अंत में समाज की एकजुटता एवं संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया गया। जानकारी महामंत्री दिनेश कुमार जसमतिया ने दी।

देचू ब्लॉक के जालपुरी विद्यालय का नलकूप पांच दिन से बंद, टैंकरों से बुझाई जा रही बच्चों की प्यास!

देचू (हुक्मनामा समाचार)। देचू ब्लॉक के ग्राम जालपुरी (लालपुरा) स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय के पास स्थापित दोनों नलकूप खराब होने से पेयजल संकट गहरा गया है। इनमें से एक नलकूप से विद्यालय परिसर में नियमित जलापूर्ति होती थी, जो पिछले पांच दिनों से बंद पड़ा है। इसके चलते विद्यालय प्रशासन को विद्यार्थियों के लिए टैंकरों के माध्यम से पेयजल की व्यवस्था करनी पड़ रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या की जानकारी कई बार जलदाय विभाग को दूरभाष के माध्यम से दी गई, लेकिन विभागीय अधिकारियों द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। ग्रामीणों ने विद्यालय के नलकूप को शीघ्र ठीक करवाने की मांग करते हुए जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की अपील की है। इस संबंध में जानकारी लेने पर जलदाय विभाग के सहायक अभियंता (एईएन) पवन कुमार ने दूरभाष पर बताया कि बुधवार को मशीन भेजकर खराब नलकूप की मरम्मत कर दी जाएगी, ताकि विद्यालय एवं ग्रामीणों को पुनः सुचारु पेयजल आपूर्ति उपलब्ध कराई जा सके। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं जलदाय विभाग से मांग की है कि विद्यालय जैसे संवेदनशील संस्थान में पेयजल व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का हुआ आयोजित

ओसियां (हुक्मनामा समाचार)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जोधपुर के मार्गदर्शन में दिनांक 21 जुलाई 2026 को Transformative Tuesdays कार्यक्रम के अंतर्गत तालुका विधिक सेवा समिति ओसियां के तत्वावधान में दो विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए।प्रथम शिविर शहीद भवानी सिंह चौहान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भेरूसागर, ओसियां में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ओसियां श्री सुधीर चौहान की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। शिविर में छात्राओं को नशे के दुष्प्रभाव, साइबर अपराध से बचाव, व्यक्तिगत सुरक्षा, विधिक अधिकारों एवं उज्ज्वल भविष्य निर्माण के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई तथा नशे से दूर रहने एवं जागरूक नागरिक बनने का आह्वान किया गया।

द्वितीय शिविर श्री भगवान आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय जाटीपूरा ओसियां में न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय ओसियां श्री रविंद छाबा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। शिविर में श्री रविंद छाबा ने विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन के महत्व, नशे से होने वाले सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभाव तथा कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें नशे से दूर रहकर शिक्षा एवं चरित्र निर्माण पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस-प्रशासन की सीएलजी एवं शांति समिति बैठक

नशा, ट्रैफिक, अवैध गतिविधियों और कानून व्यवस्था पर हुई विस्तृत चर्चा

एसपी सतनाम सिंह ने आमजन की समस्याओं पर शीघ्र कार्रवाई का दिया भरोसा, स्मैक तस्करी से लेकर अवैध बस स्टैंड और रात्रिकालीन डीजे तक कई मुद्दे उठे

फलौदी- पुलिस थाना परिसर में सोमवार को शहर की कानून व्यवस्था, जनसुरक्षा एवं सामाजिक समन्वय को लेकर सीएलजी, शांति समिति, जागरूक नागरिकों एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक सतनाम सिंह ने की। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजराज सिंह, पुलिस उप अधीक्षक अचलसिंह देवड़ा तथा थानाधिकारी नरेश कुमार निर्वाण भी मौजूद रहे।

स्मैक के अवैध कारोबार पर उठी चिंता : बैठक में शहर में बढ़ते नशे के कारोबार को सबसे गंभीर मुद्दे के रूप में उठाया गया। सामाजिक कार्यकर्ता जयराम गज्जा ने बताया कि मलार चौराहा, संगीदास कुआं, राईका बाग, लटियालपुरा, मालियों का बास, एनएच-11, मलार रोड, शिवसर तालाब रोड सहित लगभग 74 स्थानों पर खुलेआम स्मैक की बिक्री होने की शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने इन स्थानों पर विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की मांग की।

ट्रैफिक, अवैध बस स्टैंड और वीआईपी सायरन पर भी चर्चा : बैठक में शहर की बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था, अंबेडकर सर्किल सहित विभिन्न स्थानों पर संचालित अवैध निजी बस स्टैंडों के खिलाफ कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही निजी वाहनों पर अवैध रूप से लगाए जा रहे वीआईपी सायरनों के उपयोग पर रोक लगाने की मांग भी रखी गई।

गड़रिया गैंग, चोरियां और रात्रि गश्त का मुद्दा : प्रतिभागियों ने शहर में सक्रिय कथित गड़रिया गैंग की गतिविधियों से आमजन में भय का माहौल बनने की बात कही तथा इसके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की मांग की। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए रात्रि गश्त बढ़ाने एवं बंद पड़ी शहरी पुलिस चौकी को पुनः संचालित करने का सुझाव भी दिया गया।

अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी हुई चर्चा : बैठक में क्षमता से अधिक बच्चों को ले जाने वाली स्कूल बाल वाहिनियों पर कार्रवाई, जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रह रहे संदिग्ध बांग्लादेशी एवं रोहिंग्या नागरिकों के सत्यापन, मॉडिफाइड साइलेंसर वाले वाहनों पर कार्रवाई तथा रात 10 बजे के बाद तेज आवाज में बजने वाले डीजे साउंड पर प्रभावी रोक लगाने की मांग उठाई गई। इसके अलावा सीएलजी सदस्यों की सक्रियता एवं भूमिका के आधार पर समिति के पुनर्गठन पर भी चर्चा हुई।

एबीवीपी का सदस्यता अभियान शुरू, जोधपुर प्रांत में 1.83 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य

भीनमाल (हुक्मनामा समाचार)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के सदस्यता अभियान को लेकर भीनमाल में एबीवीपी की ओर से प्रेसवार्ता आयोजित की गई। इस दौरान एबीवीपी के जिला संयोजक भीनमाल मोनिका चौधरी ने अभियान की रूपरेखा और इस वर्ष निर्धारित सदस्यता लक्ष्य की जानकारी दी।

जिला संयोजक भीनमाल मोनिका चौधरी ने बताया कि एबीवीपी विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है,जो छात्रहित, शिक्षा,राष्ट्र निर्माण,सामाजिक समरसता,सेवा,पर्यावरण,खेल एवं व्यक्तित्व विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर कार्य कर रहा है। परिषद विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता विकसित कर उन्हें राष्ट्रहित के कार्यों से जोड़ने का कार्य करती है।इस वर्ष जोधपुर प्रांत में 1 लाख 83 हजार विद्यार्थियों को एबीवीपी से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सदस्यता अभियान दो चरणों में संचालित किया जाएगा। प्रथम चरण में 21 जुलाई से 30 जुलाई तक विद्यालयों में सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। वहीं, दूसरे चरण में 3 अगस्त से 12 अगस्त तक महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में सदस्यता अभियान संचालित होगा।

अभियान के दौरान भीनमाल सहित जोधपुर प्रांत के सभी जिलों में एबीवीपी कार्यकर्ता विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय परिसरों में विद्यार्थियों से संपर्क कर उन्हें संगठन के विचार, कार्यों, छात्रहित में किए जा रहे आंदोलनों और सेवा गतिविधियों की जानकारी देंगे।

हज-2027 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 24 तक बढ़ाई

सोजत (हुक्मनामा समाचार)। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हज-2027 यानी 1448 हिजरी के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाने का ऐलान किया है। अब इच्छुक आवेदक 24 जुलाई 2026, रात 11:59 बजे तक आवेदन कर सकेंगे। आल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी पाली जिला इकाई उपाध्यक्ष आफाक शेख ने बताया कि कमेटी द्वारा जारी सर्कुलर में साफ किया गया है कि इसके बाद किसी भी परिस्थिति में तारीख नहीं बढ़ाई जाएगी। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 24 जुलाई 2026, रात 11:59 बजे तक है। डिजिटल कुर्रा 30 जुलाई 2026, सुबह 11:00 बजे से निकाला जाएगा। इसका लाइव प्रसारण हज कमेटी ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट पर किया जाएगा। सचिव साबिर मोहम्मद सागर मारवाड़ जंक्शन ने बताया कि अग्रिम हज राशि जमा चयनित हाजियों को 1,52,300 की अग्रिम राशि 10 अगस्त 2026 तक जमा करनी होगी।

सीएलजी सदस्यों एवं औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

जिला पुलिस अधीक्षक ने पुलिस थाना पीपाड़ शहर व बोरुंदा का निरक्षण कर संगठित अपराध पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए

पीपाड़ शहर (हुक्मनामा समाचार)। जिला पुलिस अधीक्षक ग्रामीण पंकज यादव ने पीपाड़ शहर व बोरुंदा थाने का निरक्षण करने के अलावा कानून-व्यवस्था, जनसहभागिता एवं औद्योगिक सुरक्षा को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

जिला पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण पंकज यादव ने पीपाड़ शहर के अलावा बोरुंदा का दौरा कर कानून एवं व्यावस्था की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने दोनों थाना क्षेत्रों में आयोजित सीएलजी सदस्यों की बैठक लेकर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, नशा मुक्ति अभियान, साइबर अपराधों की रोकथाम तथा पुलिस जन सहयोग को लेकर विस्तृत चर्चा की गई है।

इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक के साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भोपालसिंह लाखावत, थानाधिकारी पुलिस थाना पीपाड़ शहर सीताराम खोजा तथा थानाधिकारी बोरुंदा सुजानाराम उपस्थित रहे।

बैठक में उपस्थित सीएलजी सदस्यों ने अपने अपने क्षेत्रों से संबंधित संबंधित सुझाव एवं समस्याओं से जिला पुलिस अधीक्षक को अवगत करवाया गया। जिला पुलिस अधीक्षक यादव ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस एवं आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर अपराधों की रोकथाम तथा कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर बल दिया।

इसके पश्चात जिला पुलिस अधीक्षक यादव ने क्षेत्र की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों की सुरक्षा कानून व्यवस्था यातायात प्रबंधन, श्रमिकों की सुरक्षा तथा अन्य स्थानीय विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने अधिकारियों को आश्वस्त किया कि उद्योगों से संबंधित सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था के मामलों में पुलिस प्रशासन हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा तथा प्राप्त सुझावों पर प्राथमिकता के आधार पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

परशुराम महादेव यात्रा का प्रथम पत्रक भोलेनाथ को अर्पित किया

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। जोधाणा धर्मार्थ सेवा संस्थान जोधपुर द्वारा संचालित बाबा परशुराम महादेव पैदल यात्रा आठ अगस्त को जोधपुर से रवाना होगी। इसको लेकर जोधाणा धर्मार्थ सेवा संस्थान जोधपुर के भक्तों का दल परशुराम महादेव धाम पहुंचा तथा यात्रा का प्रथम पत्रक परशुराम महादेव को अर्पित कर भोले बाबा को आमंत्रित किया।

प्रवक्ता जयसिंह कच्छावाहा ने बताया कि पिछले 28 वर्षों से जोधपुर से परशुराम महादेव तक पैदल यात्रा निकाली जा रही है। परम्परा के अनुसार यात्रा का प्रथम पत्रक भगवान महादेव को अर्पित कर आमंत्रित किया जाता है। इसको लेकर भक्तों का एक दल परशुराम महादेव पहुंचा तथा भोले बाबा को पत्रक अर्पित कर आमंत्रित किया। इस अवसर पर शंकर लाल कच्छवाहा, प्रमोद कुमार सांखला, जयसिंह कच्छवाहा, शिव सिंह कच्छवाहा, हरिनंदन कच्छवाहा, दिनेश सोलंकी तथा सुरेन्द्र सिंह चौहान ने परशुराम महादेव की पूजा अर्चना कर मानव तथा जीव मात्र पर कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की।

22 जुलाई को एसबीआई नई सड़क शाखा में बैंकिंग ऋण योजनाओं का विशेष शिविर

फलौदी, (हुक्मनामा समाचार)। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना सहित अन्य बैंकिंग ऋण योजनाओं के लंबित आवेदनों के त्वरित निस्तारण के लिए 22 जुलाई, बुधवार को विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का आयोजन भारतीय स्टेट बैंक की नई सड़क शाखा, फलौदी में प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा।

शिविर के दौरान लंबित ऋण आवेदनों का मौके पर ही निस्तारण कर आवेदकों को राहत प्रदान की जाएगी। जिला उद्योग केंद्र एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शिविर में उपस्थित रहकर आवेदनों का संकलन, जांच एवं सत्यापन करेंगे।

अग्रणी जिला प्रबंधक संदीप गुप्ता ने बताया कि शिविर का उद्देश्य प्राप्त होने वाले आवेदनों का मौके पर ही निस्तारण कर पात्र आवेदकों को त्वरित रूप से ऋण स्वीकृत एवं वितरित करना है। जिले में भारतीय स्टेट बैंक की सभी 11 शाखाओं के लिए संयुक्त रूप से इस विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

महात्मा गांधी स्कूल, भीनमाल में जागरूकता शिविर का आयोजन

भीनमाल (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालौर के निर्देशानुसार 'ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूज़डे कैंपेन' के तहत तालुका विधिक सेवा समिति, भीनमाल की ओर से अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश, भीनमाल श्रीमती सरिता नौशाद द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भीनमाल व न्यायिक मजिस्ट्रेट, भीनमाल श्री मदन सिंह चौधरी द्वारा महात्मा गांधी स्कूल, भीनमाल में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

सरिता नौशाद ने बताया कि किस प्रकार जिज्ञासा, गलत संगत, साथियों के दबाव, तनाव व सोशल मीडिया के प्रभाव में आकर युवा पीढ़ी नशा करना शुरू कर देती है, और अक्सर यह कहकर कि 'एक बार आजमाने से कुछ न होगा', बच्चों को नशे के लिए दुष्प्रेरित किया जाता है। इसके साथ उन्होंने हृष्ठक्क एक्ट 1985 के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया और बताया कि युवाओं को नशे के खतरे से बचाने के लिए इस कानून को बनाया गया है तथा यह स्पष्ट करता है कि कौन-कौन से नशीले पदार्थों अवैध हैं, जिनके क्रय, विक्रय, सप्लाई या सेवन करने पर दंडित किया जा सकता है। उक्त अभियान के तहत श्रीमान् मदन सिंह चौधरी ने नशीले पदार्थ और शराब के प्रकार और इनके सेवन से स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया कि किस प्रकार इनके सेवन से हृदय, लीवर, किडनी, फेफड़ों को क्षति पहुंचती है तथा युवाओं की स्मरण शक्ति कमजोर होती है, व हृदयाघात तथा कुछ परिस्थितियों में मृत्यु तक हो सकती है। इन मादक पदार्थों का सेवन करने वाले व्यक्ति को आर्थिक व मानसिक समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है, नशे की लत में व्याप्त लोगों को दिवालियापन व डिप्रेशन का सामना करना पड़ता है।

अधेड़ ने पेड़ पर फांसी लगाकर की आत्महत्या, क्षेत्र में फैली सनसनी

सायला के भीलवाड़ी क्षेत्र की घटना, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया

सायला (हुक्मनामा समाचार)। कस्बे के भीलवाड़ी क्षेत्र में एक अधेड़ व्यक्ति ने अपने रहवासी मकान के पीछे पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान चेलाराम पुत्र हीराजी भील, उम्र 60 वर्ष, निवासी सायला के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार चेलाराम ने अपने मकान के पीछे स्थित पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर एसआई महिपाल सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना कर आवश्यक जानकारी जुटाई तथा शव को पेड़ से नीचे उतरवाया।

इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक की पत्नी कुछ माह पूर्व किसी अन्य व्यक्ति के साथ चली गई थी। इसके बाद से चेलाराम मानसिक रूप से परेशान बताया जा रहा था। हालांकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पता पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

8 किलोमीटर की दूरी ने रोकी पढ़ाई, लेकिन नहीं रोक पाई सपने

बालोतरा (हुक्मनामा समाचार)। जिले की 17 वर्षीय डिम्पल की कहानी उन हजारों लड़कियों के लिए प्रेरणा है, जिनकी पढ़ाई किसी न किसी मजबूरी के कारण बीच में छूट जाती है, लेकिन आज वही डिम्पल चार साल बाद दोबारा पढ़ाई शुरू कर राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल से वर्ष 2026 में 10वीं की परीक्षा 71 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण कर अपने गाँव, परिवार और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर चुकी हैं। डिम्पल एक साधारण किसान परिवार से हैं। उनके पिता खेती करते हैं और माता गृहिणी हैं। परिवार में माता-पिता के अलावा दो भाई और दो बहनें हैं। वर्ष 2021 में, जब डिम्पल कक्षा 8 में पढ़ रही थीं और उनकी उम्र मात्र 13 वर्ष थी, तब उनकी पढ़ाई अचानक रुक गई। इसका कारण आर्थिक नहीं, बल्कि सुरक्षा और दूरी थी। उनका विद्यालय घर से लगभग 8 किलोमीटर दूर था और गाँव से स्कूल तक पहुँचने के लिए कोई परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं थी। ऐसे में, परिवार ने बेटी की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उनकी पढ़ाई बंद करवा दी। पढ़ाई छूटने के बाद डिम्पल ने घर और खेत की जिम्मेदारियाँ संभाल लीं। वे घरेलू कामों में अपनी माँ का हाथ बँटातीं और माता-पिता के साथ खेतों में भी काम करती थीं। हालाँकि, उनके मन में आगे पढ़ने और कुछ बनने का सपना हमेशा जीवित रहा, लेकिन उन्हें दोबारा शिक्षा से जुड़ने का अवसर मिलेगा, इसकी उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी थी।